संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 19 दिसंबर 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 338 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने पश्चिम बंगाल के आईआईटी खड़गपुर के 69वें दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाई

फास्ट न्यूज

एनआईए की चार राज्यों में 19 स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को चार राज्यों में 19 स्थानों पर छापे मारे। इसके साथ ही प्रतिबंधित आतंकी संगठन के बेल्लारी मॉड्यूल के आठ गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें उनका नेता मिनाज भी शामिल था। आठों गुर्गे, मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान के नेतृत्व में काम कर रहे थे। एनआईए की टीम ने कर्नाटक के बेल्लारी और बेंगलुरु के अलावा महाराष्ट्र में अमरावती, मुंबई व पुणे, झारखंड में जमशेदपुर, बोकारो और दिल्ली में भी छापेमारी की। इस दौरान प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस की आतंकी गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बेल्लारी के मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान और सैयद समीर के रूप में हुई है। मुंबई से अनस इकबाल शेख, बेंगलुरु से मोहम्मद मुनीरुद्दीन, सैयद समीउल्लाह उर्फ सामी और मोहम्मद मुजम्मिल, दिल्ली से शायान रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से मोहम्मद शाहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू का नाम है।

डाकघर विधेयक-2023 को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को डाकघर विधेयक, 2023 पारित कर दिया। राज्यसभा से इस विधेयक को पहले ही पारित किया जा चुका है। इसके साथ ही विधेयक को अब संसद की मंजूरी मिल गई है। संचार राज्यमंत्री देवुसिंह चौहान ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि डाक विभाग अंत्योदय की अवधारणा को पूरा करने की दिशा में सराहनीय काम कर रहा है। अब इसकी भूमिका बदल गई है और उसके अनुसार बदलाव भी आवश्यक हैं। डाक विभाग अब बैंकिंग और अन्य सेवायें प्रदान कर रहा है। विधेयक में बदलाव इस दिशा में सहायक होंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में डाक सेवाएँ, डाकघर और डाकिए केवल पत्राचार तक सीमित नहीं है बल्कि सेवा मुहैया कराने वाले संस्थान में बदल गए हैं।

इन सालों में डाकघर एक तरह से बैंक बन गए हैं।

'भारत ने कभी भौतिक उन्नति को भौगोलिक विस्तार और शोषण का माध्यम नहीं बनाया'

प्रधानमंत्री ने लोगों से जीवन में नौ संकल्प अपनाने का आह्वान किया

जानकारी

8 रामायण, गीता और महाभारत आदि ग्रन्थों के दिव्य संदेश भी इसमें चित्रों के जरिये उकेरे गए हैं।

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन सोमवार को चौबेपुर उमरहा स्थित सात मंजिल स्वर्वेद महामंदिर धाम के प्रथम चरण के निर्माण का लोकार्पण किया। विहंगम योग संत समाज के 100वें वार्षिकोत्सव समारोह में भाग लेने आए प्रधानमंत्री ने विहंगम योग के प्रणेता सदाफल देव महाराज की 135 फीट ऊंची मूर्ति की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने संतों के साथ मंदिर परिसर में भ्रमण भी किया और इसके बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वर्वेद मंदिर भारत के सामाजिक और आध्यात्मिक सामर्थ्य का एक आधुनिक प्रतीक है। मंदिर की दीवारों पर स्वर्वेद को बड़ी सुंदरता के साथ अंकित किया गया है। वेद, उपनिषद, रामायण, गीता और महाभारत आदि ग्रन्थों के दिव्य संदेश भी इसमें चित्रों के जरिये उकेरे गए हैं। मंदिर एक तरह से अध्यात्म, इतिहास और संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संतों के सानिध्य में काशी के लोगों ने मिलकर विकास और नवनिर्माण के कितने ही नए कीर्तिमान गढ़े हैं। सरकार, समाज और संतगण सब साथ मिलकर काशी के कायाकल्प के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्वेद मंदिर बनकर तैयार होना, इसी ईश्वरीय प्रेरणा का उदाहरण है। इस मंदिर की दिव्यता जितना आकर्षित करती है, इसकी भव्यता उतना ही अचंभित भी करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां 25 हजार कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। मुझे खुशी और विश्वास है कि इस महायज्ञ की हर एक आहूति से विकसित भारत का संकल्प और सशक्त होगा। मोदी ने स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन के बाद संबोधन की शुरूआत दोहे के साथ की। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास की पटरी पर आज भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो सदियों तक विश्व के लिए आर्थिक समृद्धि और भौतिक विकास का उदाहरण रहा है। भारत ने कभी भौतिक उन्नति को भौगोलिक विस्तार और शोषण का माध्यम नहीं बनने दिया। भौतिक प्रगति के लिए भी हमने आध्यात्मिक और मानवीय प्रतीकों की रचना की।

बीच मंच से पीएम मोदी ने महिला को दिया चुनाव लड़ने का ऑफर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी गए हैं। पीएम ने वाराणसी के उमराहा में नवनिर्मित स्वर्वेद महामंदिर का लोकार्पण किया। इसी के साथ पीएम विकासशील भारत संकल्प यात्रा के तहत खेल प्रतियोगिता में भी शामिल हुए। पीएम मोदी ने इसी के तहत गांव की महिलाओं से भी बातचीत की।

महिला को दिया चुनाव लड़ने का ऑफर: सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं से बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने एक महिला की खूब तारीफ की। दरअसल, चंदादेवी नाम की महिला कार्यक्रम में भाषण दे रही थी, तभी पीएम ने कहा कि आप तो बहुत अच्छा भाषण देती है, क्या आपने कभी चुनाव लड़ने का नहीं सोचा। इसी के साथ पीएम ने उन्हें चुनाव लड़ने का भी ऑफर दिया, जिसपर महिला ने कहा कि हम चुनाव का नहीं सोच रहे और ये सब हम आपसे ही सीखें हैं। महिला ने कहा कि हम आपके सामने खड़े हैं और आपके सामने बोल रहे हैं, वही गर्व की बात है। समारोह को संबोधित करने वाली महिला लखपति महिला कार्यक्रम से जुड़ी हुई है। दरअसल, इस कार्यक्रम के तहत राज्य की योगी सरकार प्रत्येक प्रतिभागी महिला को तीन साल में लखपति बनाने का प्रयास करती है।

जवानों के पनीर और दूध का बिल 70 लाख रुपये

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

सीबीआई ने आईटीबीपी देहरादून में 23वीं बटालियन में तैनात जवानों के राशन सप्लाई में घपले का खुलासा किया है। के पूर्व कमांडेंट अशोक कुमार गुप्ता के खिलाफ उनके अधीन सैनिकों के लिए राशन की खरीद में 70 लाख रुपये से अधिक के कथित गबन के लिए एक नया मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि उन्होंने आधिकारिक रिकॉर्ड में बदलाव किया है। जिससे आईटीबीपी को 70.56 लाख रुपये का गलत नुकसान हुआ और खुद को गलत फायदा हुआ। एजेंसी ने कहा कि अशोक कुमार गुप्ता (जो उस समय देहरादून में 23वीं बटालियन में तैनात थे) पर पिछले साल उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास एक चौकी के लिए हीटिंग ऑयल और अन्य वस्तुओं की खरीद में कथित भ्रष्टाचार के लिए मामला दर्ज किया गया था।

मामला

8 सैनिकों के लिए राशन की खरीद में 70 लाख रुपये से अधिक के कथित गबन के लिए एक नया मामला दर्ज किया है।

70 लाख रुपये का किया गया गबन : जानकारी देते हुए एजेंसी ने कहा कि हाल ही में दर्ज ताजा मामले में, सीबीआई ने आरोप लगाया है कि गुप्ता ने सब इंस्पेक्टर सुधीर कुमार और सहायक सब इंस्पेक्टर अनुसूया प्रसाद के साथ मिलकर विक्रेताओं को मटन, चिकन, मछली, अंडे, फल, पनीर, दूध के बढ़े हुए बिल जमा करने की अनुमति देकर कथित तौर पर 70 लाख रुपये का गबन किया। सीबीआई ने एफआईआर में देहरादून के व्यापारी नरेंद्र आहूजा, विनय कुमार और नवीन कुमार को भी आरोपी बनाया है।

कोविड 19 को लेकर राज्यों को जारी हुआ परामर्श

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने हाल ही में कोविड 19 संक्रमण में हुई वृद्धि और इसके एक नए वेरिएंट जेएन1 का देश में एक मामला आने पर राज्यों को परामर्श जारी किया है। राज्यों से अपने यहां कोविड 19 की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और नियमित तौर पर जिला स्तर की स्थिति को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी परामर्श में राज्यों से कहा गया है कि पर्याप्त संख्या में आरटीपीसीआर टेस्ट होने चाहिए और पॉजिटिव मामलों की जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए उन्हें भारतीय सार्स कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) प्रयोगशाला में भेजना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने इस बात को रेखांकित किया है कि राज्य और केंद्र सरकार के बीच लगातार सहयोग के चलते कोविड 19 के प्रसार की दर लगातार कम बनी हुई है लेकिन कोविड 19 वायरस का प्रसार जारी है और इसका व्यवहार, भारतीय मौसम की स्थिति और अन्य सामान्य रोगों के प्रसार के चलते सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बना हुआ है।

'हिमाचली संस्कृति की विशिष्टता को बढ़ावा देने के लिए सरकार कर रही नवीन प्रयास'

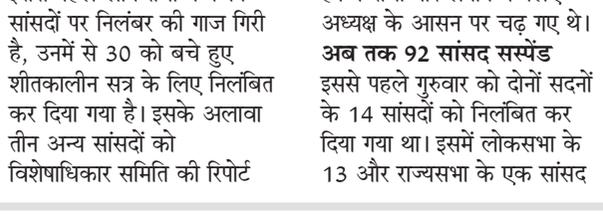

टीम एक्शन इंडिया/ शिमला/चमन शर्मा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिवस को नई दिल्ली में हिमक्राफ्ट, हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम तथा कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा दिल्ली हाट में 17 से 30 दिसम्बर तक आयोजित किये जा रहे हिम महोत्सव का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर पहाड़ी संस्कृति एवं इसकी विशिष्टता को बढ़ावा देने के लिए नवीन पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचली टोपियों में नए डिजाइन बनाने के प्रयास किए गए और हाल की उनकी दुबई यात्रा के दौरान इनका प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार हिमाचली टोपियों के निर्यात के लिए प्रयास कर रही है।

सांसदों का निलंबन संविधान और लोकतंत्र पर हमला: खड़गे

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि 47 सांसदों को निलंबित कर मोदी सरकार ने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार कर दिया है। खड़गे ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि पहले संसद में घुसपैठ और अब मोदी सरकार ने 47 सांसदों को निलंबित कर संसद और लोकतंत्र पर हमला किया है। यह सरकार संसद को विपक्ष विहीन करने की दिशा में काम कर रही है।

लोकसभा के 33 तो राज्यसभा के 45 सांसद निलंबित

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी सांसदों पर कार्रवाई की गई है। संसद के उच्च सदन के 45 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। निलंबन बचे हुए शीतकालीन सत्र पर प्रभावी रहेगा। बताया गया कि राज्यसभा के 34 सांसदों को बचे हुए शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है।

इसके अलावा 11 सांसदों के निलंबन के मामले को विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया है। इसकी रिपोर्ट आने तक ये 11 सांसद सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए सोमवार को 33 विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया गया था।

लोकसभा में भी हुई कार्रवाई

इससे पहले लोकसभा के जिन सांसदों पर निलंबर की गाज गिरी है, उनमें से 30 को बचे हुए शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा तीन अन्य सांसदों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। इनमें के. जयकुमार, विजय वसंत और अब्दुल खालिक शामिल हैं। ये सभी नारे लगाने के लिए अध्यक्ष के आसन पर चढ़ गए थे।

अब तक 92 सांसद सस्पेंड

इससे पहले गुरुवार को दोनों सदनों के 14 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। इसमें लोकसभा के 13 और राज्यसभा के एक सांसद शामिल थे। इस तरह अब तक दोनों सदनों के 92 सांसदों पर निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है।

हंगामा करना उनकी पूर्व नियोजित रणनीति थी: पीयूष गोयल

शीतकालीन सत्र के शेष समय के लिए राज्यसभा से कई विपक्षी सांसदों के निलंबन पर राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 34 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। 11 सांसदों का मामला विशेषाधिकार समिति को भेजा गया है। आज कुल 45 राज्यसभा सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। वे नहीं चाहते थे कि सदन सुचारू रूप से चले, ये उनकी पूर्व नियोजित रणनीति थी।

उत्तराखंड को गुड गवर्नेंस मॉडल राज्य बनाने की दिशा में तेजी से कार्य करें: मुख्यमंत्री धामी

गुड गवर्नेंस

8 -2025 तक ड्रग्स फ्री बनाने के लिए -प्रयास करें- समिट के दौरान हुए करारों को तेजी से धरातल पर उतारें

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को गुड गवर्नेंस मॉडल राज्य बनाने की दिशा में तेजी से कार्य करने और 2025 ड२२ग्स फ्री बनाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए करारों को तेजी से धरातल पर उतारा जाए।

सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश यह निर्देश दिये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डीजीपी अभिनव कुमार को निर्देश दिये कि ड्रग्स फ्री उत्तराखंड के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाए। इस अभियान को मिशन मोड पर लिया जाए, शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य विभाग और नशा मुक्ति के लिए कार्य कर रहे संगठनों को भी इस अभियान में शामिल किया जाए। मार्च 2024 तक यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाए। शिक्षण संस्थानों में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करने के साथ उनके अभिभावकों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि गुड गवर्नेंस की दिशा में और तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने सचिव आईटीडीए शैलेश बगोली को निर्देश दिये कि अधिक से अधिक सेवाएं ऑनलाइन की जाएं। सभी विभाग समयबद्धता के साथ पत्रावलियों का निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सेवाओं का लाभ आम जन आसानी से उठा सकें, इसके लिए जनपदों में विभागों के माध्यम से ऑनलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये पत्रावलियों की अधिक पेडेंसी रखने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। जन सुविधा के दृष्टिगत अपुणी सरकार पोर्टल पर अधिक से अधिक सेवाएं जोड़ी जाए। लोगों को उनके घरों पर ही अधिक से अधिक सुविधाएं मिले, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत हुए करारों की ग्राउंडिंग के लिए तेजी से कार्य किये जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि निवेशकों को कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम को और मजबूत बनाया जाए। जिन निवेश प्रस्तावों से राज्य में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ने की संभावनाएं हैं और जो प्रस्ताव राज्य के अनुकूल हों उन्हें पहली प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिये।

उत्तराखंड : बदरी-केदार धामों में सुरक्षा के लिए आईटीबीपी तैनात

मास्टर प्लान

8 धामों की भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर आईटीबीपी को तैनात किए जाने की मांग की थी।

देहरादून/बदरीनाथ/केदारनाथ
उत्तराखंड के प्रसिद्ध पवित्र धामों बदरीनाथ और केदारनाथ के कपाट बंद होने के बाद इन दोनों धामों में सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की तैनाती कर दी गई है। आइटीबीपी जवानों की एक- एक प्लाटून दोनों धामों में पहुंच गई हैं।
गत वर्ष केदारनाथ धाम के गर्भ गृह के स्वर्ण मंडित होने और दोनों धामों में मास्टर प्लान के तहत व्यापक स्तर पर चल रहे पुनर्निमाण कार्यों के कारण तमाम लोगों की वहां पर आवाजाही को देखते हुए बदरीनाथ -केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने सरकार से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पत्र लिखा था। उन्होंने धामों की विकट भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर आईटीबीपी को तैनात किए जाने की मांग की थी। इस पर प्रदेश सरकार ने कार्रवाई करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से आईटीबीपी की तैनाती का अनुरोध किया था।

आईआईएम काशीपुर में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आईआईएम काशीपुर परिसर में मार्केटिंग इनोवेशन पर बहुप्रतीक्षित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर द्वारा अर्ल वी. स्नाइडर इनोवेशन मैनेजमेंट सेंटर, व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी (यूएसए) के सहयोग से 16 से 18 दिसंबर तक आईआईएम काशीपुर परिसर में किया जा रहा है।
सम्मेलन का उद्घाटन आईआईएम काशीपुर के निदेशक प्रो. कुलभूषण बलूनी और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया।

उत्तराखंड क्रांति दल ने संगठन को मजबूत किए जाने पर किया मंथन

मंथन बैठक

8 कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य आंदोलनकारी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष युद्धवीर सिंह चौहान ने की

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड क्रांति दल, ऋषिकेश को जमीनी स्तर तक मजबूत करने को लेकर विचार मंथन बैठक हुई। इसमें महानगर कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। विधानसभा क्षेत्र, ऋषिकेश को पांच ब्लॉक में विभाजित किया गया।
ऋषिकेश में युद्धवीर चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य वक्ता केंद्रीय उपाध्यक्ष ऋषिकेश प्रभारी मोहन सिंह असवाल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र ऋषिकेश पांच ब्लॉक में विभाजित किया गया है, जिसमें वीरभद्र आईडीपीएल, त्रिवेणी ऋषिकेश, श्यामपुर, हरिपुर, साहबनगर जिला पंचायत सम्मिलित हैं। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए एक-एक कार्यकर्ता को काम करने की आवश्यकता है और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में सम्मिलित करें ,ताकि पार्टी की विचारधारा लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि उनका दल जनता दल के साथ जुड़ने को तैयार है, लेकिन सभी कार्यकताओं को अपने दल के उद्देश्यों को जनता तक पहुंचाना होगा और सभी को मेहनत के साथ डटकर इस मुहिम में लगने की आवश्यकता है।
कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य आंदोलनकारी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष युद्धवीर सिंह चौहान ने की।
अध्यक्ष युद्धवीर ने कहा है कि यह राज्य हमें यूं ही नहीं मिला यह बहुत बड़े आन्दोलन और शहीदों के बलिदान से प्राप्त हुआ है, हमें इसे संवारना है और सेवा भाव से प्रदेश की राजनीति को क्षेत्रीय स्तर पर आगे बढ़ाना है।
महानगर अध्यक्ष विरेंद्र नौटियाल ने कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती रामेश्वरी चौहान व सौरव सेमवाल उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी देवी कटेथ ,महामंत्री दीपक चौहान, कोषाध्यक्ष देवराम सेमवाल, कार्यालय प्रभारी विमल नौटियाल, अनुशासन समिति के अध्यक्ष राकेश भट्ट ,राज्य आंदोलनकारी समिति के महामंत्री हरीश रावत , सचिव मीना जोशी प्रचार मंत्री पदमा रावत ,सरोजिनी रावत संगठन मंत्री भगवती देवी चमोली, महिला प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष पुष्पा नेगी, युवा प्रकोष्ठ सुनील बिष्ट, वीरभद्र आईडीपी महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष शकुंतला कलूड़ा, महामंत्री महिला प्रकोष्ठ गुड्डी, सरोजिनी लखेड़ा, महामंत्री अंजू चौहान ,उपाध्यक्ष जया डोभाल, सलाहकार समिति के सदस्य केडी जोशी, पूरन सिंह चौहान, सत्य प्रकाश ,संजय रावत , रविंदर कौर, व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भरत सिंह रावत चुने गए।

संक्षिप्त खबरें

कुमाऊं कमिश्नर ने की एसडीएम कोर्ट और प्राधिकरण ऑफिस में छापेमारी

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी के एसडीएम कोर्ट ऑफिस में कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने छापेमारी की। इसके बाद एसडीएम ऑफिस और सिटी मजिस्ट्रेट ऑफिस सहित प्राधिकरण के ऑफिस के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने सभी ऑफिसों के उपस्थिति को चेक किया। एसडीएम कोर्ट की पार्किंग में गड़बड़ी को लेकर भी कमियां पाई गई। एसडीएम कोर्ट परिसर में गंदगी देखकर भी कमिश्नर ने नाराजगी की जाहिर की। कर्मचारियों के देरी से आने पर कमिश्नर दीपक रावत नाराज दिखे। अभी कमिश्नर का निरीक्षण जारी है।

दिल्ली के दो सगे भाई-बहनों को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
घर से परिजनों को बिना बताए दिल्ली से हरिद्वार आए दो सगे भाई-बहनों को पुलिस ने परिजनों से मिलवाया। परिजन बच्चों को पाकर भावुक हो गए और पुलिस का आभार व्यक्त किया।
सगे भाई बहन 10 वर्षीय दया कुमार पुत्र विकास कुमार, 14 वर्षीय शिवानी पुत्री विकास कुमार जो बिना बताए अपने घर दिल्ली से हरिद्वार आ गए थे। दोनों हर की पैड़ी क्षेत्र स्थित सुभाष घाट में भीख मांग कर गुजर बसर कर रहे थे। पुलिस ने 13 दिसम्बर को दोनों को रेस्क्यू कर संरक्षण दिलाया।
पुलिस टीम ने नाबालिगों के परिजनों को अथक प्रयासों के बाद दिल्ली से तलाश कर बाल कल्याण समिति हरिद्वार के समक्ष प्रस्तुत किया। काउंसलिंग के बाद बाल कल्याण समिति हरिद्वार ने बालक दया कुमार एवं बालिका शिवानी कुमारी को उनके पिता विकास कुमार निवासी खजूरी खास, उत्तर पूर्वी दिल्ली के सुपुर्द कर दिया।
इधर पुलिस बच्चों के परिजनों की तलाश में थी तो उधर बच्चों के परिजन बच्चों की खोज में रात-दिन लगे हुए थे, किन्तु हरिद्वार पुलिस ने उन्हें राहत दी।
हरिद्वार पुलिस ने बच्चों के स्थानीय थाने गोकुलपुरा दिल्ली में बालक दया और बालिका शिवानी के संदर्भ में सूचना दी। स्थानीय पुलिस की सहायता से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से दिल्ली के शाहदरा शहर व स्थानीय थाना क्षेत्र, उसके आसपास परिजनों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसके फलस्वरूप टीम को सफलता तब मिली जब टीम घर-घर बच्चों की बुआ पूजा पत्नी अरविंद कुमार के संपर्क में आई, क्योंकि बालक के पिता के पास कोई मोबाइल नहीं था तो बालक की बुआ को साथ में लेकर टीम ने बच्चों के पिता विकास कुमार को भी तलाश लिया। बालक के पिता को दिल्ली से हरिद्वार लाकर बालक-बालिका से मिलवाया। दोनों बच्चे अपने पिता को सामने देखकर भावुक हो गए। बालक के पिता ने बताया कि बालक की माता माया कुमारी का 6 वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो चुका है। बालक-बालिका की पूर्ण जिम्मेदारी उनके पिता द्वारा अकेले ही उठाई जा रही है। लगभग 15 दिन पूर्व बालक के पिता काम की तलाश में पुरानी दिल्ली की ओर गए थे, जब वह वापस घर आए तो मकान मालिक ने बताया कि उनके बच्चे पांच दिन से घर नहीं आए हैं। बच्चों के मिलने पर बच्चों के पिता ने पुलिस का आभार जताया।

शराब पीकर ट्रक चला रहे चालक-परिचालक गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
शराब के नशे में ट्रक चल रहे चालक और परिचालक को पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ट्रक को सीज कर दिया है।
जनपद की भगवानपुर पुलिस मण्डावर बार्डर पर चेकिंग अभियान पर थी। इसी दौरान पुलिस ने एक ट्रक चालक लापरवाही से ट्रक चला रहा था। पुलिस ने ट्रक को रोककर जब कारण पूछा तो चालक व परिचालक दोनों की शराब के नशे में मिले। पुलिस ने चालक को एमवी एक्ट व परिचालक के 81 पुलिस एक्ट में हिरासत में लेते हुए वाहन को सीज किया गया। आरोपितों के नाम नमन कुमार पुत्र छोटूराम निवासी पनपूली थाना नागला जिला रूपनगर पंजाब (चालक) व गुरुमीत पुत्र स्वर्णराम निवासी ग्राम सुग्गडा थाना गढ़शंकर जिला हाशियारपुर, पंजाब (परिचालक) बताए गए हैं।

ऋषिकेश बार एसोसिएशन 2023 -24 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को दिलाई गई शपथ

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश बार एसोसिएशन 2023-24 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भवदीप रावते ने शपथ ग्रहण समारोह के बीच पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।
सोमवार को कोर्ट परिसर में पूर्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह साजवाण के संचालन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सीजीएम भवदीप रावते ने कहा कि किसी भी संस्था में चुने गए पदाधिकारी की जिम्मेदारी उस संगठन को अनुशासित तरीके से चलाया जाना है क्योंकि चुने हुए प्रतिनिधियों के कंधों पर विश्वास के साथ पदों की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। जिन्हें आपसी तालमेल बनाकर सभी सदस्यों का सम्मान करते हुए वर्ष भर में कार्यकारी द्वारा निर्धारित किए गए कार्यक्रमों का संचालन किया जाना भी है।
वर्ष 2023 -24 के लिए अध्यक्ष पद पर चुने गए पंचम सिंह मियां,

शपथ

8 मजिस्ट्रेट भवदीप रावते ने शपथ ग्रहण समारोह के बीच पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

उपाध्यक्ष शरद सक्सेना,महासचिव कपिल शर्मा, सह सचिव नरेंद्र रांगड़,कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, ऑडिटर प्रीति भट्ट, पुस्तकालय अध्यक्ष पूजा बेलवाल, सहित सभी कार्यकारी के सदस्यों को शपथ दिलाई।इस दौरान चुनाव अधिकारी राजीव खेड़ा ,ऋषि अन्थवाल, कुंवर सिंह, ओंकार सिंह चौधरी, नरेश शर्मा, ऋषि तिवारी, कुलदीप रावत, संदीप पायल, विजय सिंह राणा, पवन शर्मा, सनी प्रजापति, अभिनव सिंह मलिक, धीरज डोभाल, सुरेश नेगी, मोहित शर्मा, धर्मपाल, नवीन रावत , राज कौशिक सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

डायरेक्ट सेलिंग में भारत का पहला प्रबंधन कार्यक्रम लॉन्च

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
एक प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य व कल्याण कंपनी एवं समुदाय, हबार्लाइफ इंडिया ने हिमाचल प्रदेश के सोलन में शूलिनी यूनिवर्सिटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज के साथ अपनी तरह के पहले समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में कंपनी ऑनलाइन मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) और बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) में डायरेक्ट सेलिंग विषय का हिस्सा बनेगी। हबार्लाइफ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अजय खन्ना ने कहा कि हमें शूलिनी विश्वविद्यालय के साथ अपने सहयोग की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन

8 नगर निगम में व्याप्त अव्यवस्था, भ्रष्टाचार, अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
नगर निगम में व्याप्त अव्यवस्था, भ्रष्टाचार, अनियमितताओं को लेकर, नए वार्डों को टैक्स के दायरे में लाने के खिलाफ तथा मलिन बस्तियों को मालिकाना हक देने की मांग के साथ कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए और महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में निगम के प्रशासक के रूप में कार्यरत जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंचे और उनका घेराव किया। पुलिस ने डीएम कार्यालय का गेट बंद करके प्रदर्शनकारियों को अंदर जाने से रोका। इस पर कार्यकताओं ने गेट को जबरन खोलकर नारेबाजी करते हुए अंदर प्रवेश किया। नारेबाजी और प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बैठ गए। इसके पश्चात सिटी मजिस्ट्रेट आये और उन्होंने ज्ञापन लिया।

ऋषिकेश आने वाले पर्यटक उठा सकेंगे फ्लाइंग सफारी का लुत्फ

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
साहसिक खेलों के लिए उत्तराखंड की देवभूमि निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। राफ्टिंग के साथ अब यहां सैलानी लाइट स्पोर्ट्स एयरक्राफ्ट से हवाई सैर का लुत्फ भी उठा सकेंगे।
शिवम् एरो स्पोर्ट्स एंड एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (फ्लाइंग सफारी इंडिया) जो हरिद्वार देहरादून नेशनल हाइवे 72 गांव माजरी ग्रांट में स्थित है, उसका प्रदेश सरकार ने पंजीकरण किया है। सरकार के इस निर्णय को उत्तराखंड में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार राज्य की पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर विनायक

गिरी स्वयं कंपनी में पायलट हैं और पिछले 7 साल से फ्लाइंग कर रहे हैं। इनके पास करीब एक हजार उड़ान का एक्सपीरियंस भी है।
बताया जा रहा है कि एयरक्राफ्ट में एक बार में एक व्यक्ति पायलट के साथ में फ्लाइंग कर सकेगा।
टूरिस्ट कंपनी ने इस एयरक्राफ्ट को यूएसए स्थित कंपनी पॉवरा शूट से लिया है जो दुनिया का सबसे सेफ लाइट स्पोर्ट्स एयरक्राफ्ट है, जिसमें पैराशूट एयरक्राफ्ट के साथ जुड़ा रहता है। इससे ये एयरक्राफ्ट और भी ज्यादा सेफ हो जाता है।
विनायक गिरी ने बताया कि सेकंड स्टेज में कंपनी जल्द जायरोकॉप्टर ,हॉट एयर बैलूनिंग ,पावर हैंड ग्लाइडर , स्काई डाइविंग विद हेलीकाप्टर और चारधाम यात्रा हेलीकॉप्टर जल्द शुरू करने जा रही है। वह जल्द उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर पायलट ट्रेनिंग प्रोग्राम भी शुरू करेंगे, जिससे प्रदेश के युवाओं को फायदा होगा।

श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व पर लगेगा स्वास्थ्य शिविर

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
दशम पातशाह श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज का प्रकाश पर्व मनाए जाने एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के संबंध में ऋषिकेश नगरवासियों की बैठक गुरुद्वारा परिसर में हुई।
सोमवार को लक्ष्मण झूला मार्ग पर स्थित हेमकुंड गुरुद्वारा में नगर के सामाजिक, धार्मिक और अन्य वर्गों के सम्मानित व्यक्तियों की बैठक में कार्यक्रम की सफलता को लेकर सभी ने अपने विचार व्यक्त किए। इसमें गुरुद्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा ने बताया कि श्री गुरु गोविन्द सिंह महाराज का प्रकाश दिवस 17 जनवरी 2024 को गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब,

लक्ष्मण झूला रोड, ऋषिकेश में धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि गुरुपर्व के उपलक्ष्य में 07 जनवरी 2024 दिन रविवार प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक, जरूरतमंदों की जांच करके उचित परामर्श देंगे, साथ ही ट्रस्ट से दवाइयां भी निःशुल्क दी जाएंगी एवं ब्रेस्ट स्क्रीनिंग एवं आधुनिक मशीनों से बच्चेदानी में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग, कालपोस्कोपी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार रोगियों के टेस्ट, एक्स-रे आदि भी कराये जाएंगे। रक्तदान के इच्छुक व्यक्तियों के लिए रक्तदान करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। शिविर का लाभ उठाने के लिए जरूरतमंद अपना पंजीकरण 2, 3, 4, व 5 जनवरी 2024 तक, सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक करा सकते हैं। बैठक में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने गुरुपर्व एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने से संबंधित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।
इस अवसर पर दीप शर्मा, राजकुमार अग्रवाल, मदन मोहन शर्मा, विनोद शर्मा, एसएस बेदी, गुरबचन सिंह, बिमला रावत, राजपाल खरोला, सुभाष कोहली, हरीश धींगड़ा, विरेन्द्र शर्मा, विक्की सेठी, राकेश सिंह, रीना शर्मा, महेन्द्र सिंह, सरोज डिमरी, उषा रावत, अमरजीत सिंह, विमला रावत, मंगा सिंह, हिम्मत सिंह, दीदार सिंह, राजेन्द्र सिंह, एस0एस. राणा, करण सिंह बड़थ्वाल और गुरुद्वारा ट्रस्ट के कर्मचारी गण भी उपस्थित थे। गुरुद्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा ने बैठक में आये समस्त गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करते हुए जरूरतमंदों को स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह किया।

बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की सुरक्षा में तैनात हुई आईटीबीपी

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट बंद होने के बाद दोनों धामों में सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की तैनाती कर दी गई है। दोनों धामों में आइटीबीपी जवानों की एक-एक प्लाटून पहुंच गई हैं।
बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि गत वर्ष श्री केदारनाथ धाम के गर्भ गृह के स्वर्ण मंडित होने और दोनों धामों में मास्टर प्लान के तहत व्यापक स्तर पर चल रहे पुनर्निमाण कार्यों के कारण तमाम लोगों की वहां पर

आवाजाही को देखते हुए श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने सरकार से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पत्र लिखा था। उन्होंने धामों की विकट भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर आईटीबीपी को तैनात किए जाने की मांग की थी। इस पर प्रदेश सरकार ने कार्रवाई करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से आईटीबीपी की तैनाती का अनुरोध किया था।
प्रदेश सरकार के अनुरोध पर गृह मंत्रालय ने गत वर्ष से शीतकाल में धामों की सुरक्षा आइटीबीपी के जवानों को सौंप दी थी। इस वर्ष पुनः कपाट बंद होने के पश्चात प्रदेश सरकार ने धामों में आईटीबीपी की तैनाती का अनुरोध किया था। धामों में आईटीबीपी के जवानों की तैनाती पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है।

मौलिक कर्तव्यों को याद करने वाला दिन : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर सोमवार को हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र, गढ़ी कैंट, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्पसंख्यक समुदाय के सभी लोगों को विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन भारतवर्ष की एकता और अखंडता के संरक्षण व संवर्धन हेतु हमारे मौलिक कर्तव्यों को याद करने का दिन है। भारत की एकता और अखंडता का मूल भी हमारी यही सांस्कृतिक विभिन्नताओं में पाए जाने वाली एकरूपता है। अनेकता में एकता का यही भाव देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। हमारी भारतीय संस्कृति सभी पंथ मार्ग, संप्रदायों का सम्मान करने की रही है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति और सामर्थ्य का विस्तार संपूर्ण विश्व में हो रहा है। उनके द्वारा दिए गए मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास द्वारा नये भारत में हर वर्ग के सशक्तिकरण का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना की जागृति का केंद्र रहा है।
राज्य सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाए जाने एवं अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किए जाने हेतु ह्मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक प्रोत्साहन योजनाह्व प्रारम्भ की गई है। राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के परिवारों की मेधावी छात्राओं की शिक्षा हेतु विशेष अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर नल से जल, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालयों का निर्माण, आवास योजना सहित अनेक प्रकार की योजनाओं के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार ने जन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किये हैं।

विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के पर पुलिस थानों में हुई गोष्ठी

अपील

8 कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग प्रदान करने की अपील की गयी

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर सोमवार को चमोली जिले के सभी थानों में पुलिस अधीक्षक चमोली श्रीमती रेखा यादव के निर्देशन में थाना क्षेत्रान्तर्गत निवसारत अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हें सरकार की ओर से चलायी जा रही समुदाय के लोगों की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

गोष्ठी अल्पसंख्यक समुदाय को लोगों के उनके मौलिक अधिकारों एवं केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अल्प संख्यक समुदाय के कल्याण के लिए चलाये जा रहे विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी साथ ही उनकी समस्याओं को भी जाना गया तथा उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल थाना पुलिस को सूचना देने के लिए भी कहा गया। सभी को आपसी भाईचारा, सौहार्द बनाये रखने, राष्ट्र की एकता और अखण्डता को अक्षुण्य बनाये रखने तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग प्रदान करने की अपील की गयी।

संक्षिप्त खबरें

आठ दिनों से लापता युवती का जंगल में पेड़ लटका मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के दशोली विकास खंड के निजमूला घाटी के ग्राम सभा ईरानी के झींझी गांव निवासी एक युवती बीते दस दिसम्बर से घर से लापता थी। उसका शव रविवार को आठवें दिन झींझी गांव के जंगलों में एक पेड़ पर लटका हुआ मिला। सोमवार को युवती का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया है। युवती के परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है।
झींझी गांव निवासी कैलाश कुमार पुत्र सुरेंद्र नाथ ने बीते 11 दिसम्बर को राजस्व उप निरीक्षक गौणा को एक तहरीर दी की उसकी बहन दस दिसम्बर से लापता है। इसके बाद राजस्व पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 12 दिसम्बर को इसे रेगुलर को हस्तांतरित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी। रविवार को लापता युवती का शव झींझी गांव के उपर जंगल में एक पेड़ पर लटके हुए होने की सूचना पुलिस को मिली। युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय में लाया गया है। युवती के ताऊ नरेंद्र राम का कहना है कि हमें जानकारी मिली है कि आठ दिसम्बर को पाणा गांव के सवर्ण जाति के एक युवक से लड़की की मोबाइल पर बात हुई, जिसके बाद दस दिसम्बर उनके भाई की लड़की घर से भाग गई। युवक अपने गांव पाणा से पगना में आया तो उनके रिश्तेदारों ने उसे पकड़ लिया और देर सायं तक वहीं रखा जबकि लड़की के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इसके बाद जब उन्होंने युवक के घर वालों से लड़की की खोजबीन करने की गुहार लगायी लेकिन उन्होंने कोई सहयोग नहीं दिया।
रविवार को लड़की का शव झींझी गांव के ऊपर जंगल में पेड़ पर लटका हुआ मिला। उनका कहना है कि लड़की जिन जूतों में घर से भागी थी, उसके पैरों में जूते न होकर नये जूते पहनाये गये थे। मौके की स्थिति भी आत्महत्या जैसा प्रतीत नहीं हो रही थी, जिससे उन्हें अपने भाई की बालिका की हत्या की आशंका है। वह इस मामले की सही-सही जांच की मांग करते हैं। उनका यह भी कहना था कि युवक सवर्ण जाति का होने के कारण मामले के दबाए जाने की आशंका है और उनके परिवार को भी खतरा पैदा हो सकता है। इधर चमोली कोतवाली पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

विद्यामंदिर क्लासेस आयोजित करेगा वर्ष का अपना सबसे परीक्षा बड़ा टेस्ट - इंटरनेशनल इंसेंटिव टेस्ट (वीआईएनआईटी)

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मेधावी छात्रों को आर्थिक रिवॉर्ड देने के मकसद से देश के अग्रणी कोचिंग संस्थानों में शुमार विद्यामंदिर क्लासेस (वीएमसी) हर साल इंटरनेशनल इंसेंटिव टेस्ट (वीआईएनआईटी) कराता है। इस साल के टेस्ट की तारीखों का ऐलान भी कर दिया गया है। ये टेस्ट दिसंबर में कराए जाएंगे। 23 और 24 दिसंबर 2023 को टेस्ट आयोजित होगा। वीएमसी क्लासेज देश के उन बेहतरीन सेटर्स में से है जहां जेईई, नीट, बोर्ड, एनटीएसई और ओलंपियाड जैसे क्षेत्रों के लिए कोचिंग कराई जाती है। यहां के छात्र हर साल कामयाबी की गाथा लिख रहे हैं। यह टेस्ट कक्षा 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 के छात्रों के लिए आयोजित कराया जायेगा। वीएमसी क्लासेज हमेशा छात्रों के लिए कुछ न कुछ प्रोग्राम चलाता रहता है। वीआईएनआईटी टेस्ट के जरिए वीएमसी एक तरह का एडमिशन-कम-स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाता है। इसमें सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशी छात्र भी हिस्सा ले सकते हैं। इस टेस्ट का एक और मकसद छात्रों को उनकी क्षमताओं और कमजोरियों की पहचान कराना भी होता है ताकि वो भविष्य में अपने लिए सही निर्णय ले सकें।
विद्यामंदिर इंटरनेशनल इंसेंटिव टेस्ट (वीआईएनआईटी) के बैनर तले कराया जाने ये टेस्ट छात्रों के लिए कुछ बड़ा हासिल करने का मौका होता है। जो भी छात्र इस टेस्ट को पास करते हैं उनके पास कैश इनाम जीतने का चांस रहता है। साथ ही छात्रों के पास 105 करोड़ तक का फीस कंसेशन पाने का मौका भी होता है। इसके अलावा वीएमसी के शीर्ष बैच - इलुमिनाती में नामांकन का मौका मिलेगा। इसके अलावा 100 घंटे की रैपिड रिवीजन क्लास, पसंदीदा वीएमसी क्लासरूम चुनने, पसंदीदा ऑनलाइन प्रोग्राम चुनने का मौका होता है जिससे मदद से छात्र इंजीनियर और डॉक्टर बनने के अपने सपनों को पूरा कर सकें।

सोच की रेड डॉट सेल के साथ इस विंटर में स्टाइलिश बने

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
सोच की रेड डॉट सेल वापस आ गई है और पहले से कहीं बेहतर है, जो 50 प्रतिशत तक की छूट पर एथनिक परिधानों के विस्तृत चयन की पेशकश करती है। 7 दिसंबर को शुरू हुई इस बहुप्रतीक्षित रेड डॉट सेल से, साड़ी, सलवार सूट, कुर्ता, कुर्ता सेट, ड्रेस मटेरियल, ट्यूनिक्स और काफ्तान सहित अपने सभी पसंदीदा सोच लुक का स्टॉक करने के लिए तैयार हो जाइए।भारत के अग्रणी ईवनिंग और प्रासंगिक वेयर ब्रांड सोच ने अपने लाखों वफादार ग्राहकों को हर एथनिक चीजों पर अद्वितीय डील्स प्राप्त करने का मौका देने के लिए इस द्वि-वार्षिक बिक्री की घोषणा की है।

सरकारी कार्यक्रमों को पार्टी कार्यक्रम बनाने पर भड़के कांग्रेसी

चेतावनी

8 -कांग्रेसियों ने मामले में डीएम से मुलाकात कर कार्यक्रमों के बहिष्कार की चेतावनी दी

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
जिला कांग्रेस के कमेटी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने डीएम मयूर दीक्षित से मिलकर सरकारी कार्यक्रमों को एक पार्टी विशेष का कार्यक्रम बनाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए पत्र सौंपकर सुधार न होने पर कार्यक्रमों के बहिष्कार की चेतावनी दी।
सोमवार को कांग्रेसियों का प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाले जनता दरबार के दौरान डीएम दीक्षित से ने मिला। डीएम दीक्षित को पत्र सौंपकर सरकारी कार्यक्रमों में कांग्रेस के प्रतिनिधियों की उपेक्षा के साथ संचालक पार्टी विशेष के व्यक्ति को बनाने सहित तमाम तरह के आरोप लगाते हुए कार्यक्रमों को पार्टी विशेष का कार्यक्रम बनाने का आरोप लगाया।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा ने कहा कि विगत लंबे समय से यह देखने में आ रहा है, कि जनपद में हो रहे राजकीय कार्यक्रमों एवं जनपद स्तरीय विभागीय कार्यक्रमों में प्रतिपक्ष के प्रतिनिधियों और पार्टी संगठन के पदाधिकारी को आमंत्रित नहीं किया जा रहा है। साथ ही जनपद स्तरीय विभागों के हो रहे कार्यक्रमों में भी प्रतिपक्ष एवं पार्टी संगठन पदाधिकारियों को आमंत्रण नहीं दिया जा रहा है। जहां पर आमंत्रण दिया भी जा रहा है, तो वहां पर प्रतिपक्ष के नेताओं का समान नहीं दिया जा रहा है। २२२प्रदेश कांग्रेस के सचिव सैयद मुशर्रफ अली और शहर कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पंवार, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, प्रदेश कांग्रेस के सदस्य देवेंद्र नौडियाल ब्लॉक अध्यक्ष साहब सिंह सजवान ने कहा कि जनपद स्तरीय कार्यक्रम में एक ऐसे व्यक्ति के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया जाता है जो एक पार्टी विशेष का प्रवक्ता है। उन्होंने कहा कि आधिकारियों-कर्मचारियों और कार्यक्रम के आयोजकों का व्यवहार रहा, तो आने वाले समय में हम पूरे जनपद में सभी कार्यक्रमों का जमकर विरोध करेंगे।

मोदी ने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं किया : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने एजेंडा आज तक के मंच पर शिरकत करते हुए चर्चा के दौरान स्पष्ट कर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लिए कुछ नहीं किया। अपने दल के लिए भी कुछ नहीं किया, उन्होंने जो किया सिर्फ देश की जनता के लिए किया।भारतीय राजनीति में मोदी जैसा दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री और अमित शाह जैसा अथाह परिश्रम करने वाला नेता आज तक नहीं देखा गया है। राजनीति के अंदर

अभूतपूर्व

8 मोदी जैसा दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री और अमित शाह जैसा अथाह परिश्रम करने वाला नेता नहीं देखा गया है

लोकतांत्रिक मूल्य को स्थापित करने के लिए मोदी.शाह की जोड़ी ने अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। देश की जनता ने देखा है कि मोदी जी की अगुआई में अमित शाह ने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को खत्म कर देश की राजनीति को पॉलिटिक्स और परफॉर्मेंस के रास्ते पर ले जाने का काम किया है।
यह किसी से छुपा नहीं है कि पिछले 9 साल में दलितों, वंचितों और पिछड़ों को सम्मान देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम भी युद्धस्तर पर चल रहा है। 9 साल पहले तक इस देश में भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और अमित शाह की नीतियों के मार्गदर्शन में भाजपा देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

रेस्टोरेंट के नाम पर 25 लाख की ठगी करने वाले छत्तीसगढ़ से पकड़े गए

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड एसटीएफ ने नामी गिरामी कंपनियों मैक डोनाल्ड केएफसी आदि के रेस्टोरेंट फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर 25 लाख की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के सदस्यों को वारंट बी के माध्यम से छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया है। इन्हें देहरादून लाया गया है।
इस तरह की एक शिकायत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन को प्राप्त हुई थी,
जिसमें देहरादून निवासी शिकायतकर्ता ने इस घटना की जानकारी दी थी कि केएफसी रेस्टोरेंट की फ्रेंचाइजी लेने के नाम पर उससे 24,30,500 रुपये की ठगी हुई है।

भगवान व्यवस्था नहीं अवस्था देखतें हैं : आचार्य शिव प्रसाद

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
ईश्वर न तो दूर है और न अत्यंत दुर्लभ ही है, बोध स्वरूप एकरस अपना आत्मा ही परमेश्वर है, नाम और रूप विभिन्न दिखते है। धर्म को जानने वाला दुर्लभ होता है, उसे श्रेष्ठ तरीके से बताने वाला उससे भी दुर्लभ, श्रद्धा से सुनने वाला उससे दुर्लभ और धर्म का आचरण करने वाला सुबुद्धिमान सबसे दुर्लभ है। भगवान व्यवस्था नहीं जीवन की अवस्था देखते हैं, वो व्याकुलता देखते हैं।
पुष्प विहार साकेत में शक्ति मन्दिर में शिवपुराण कथा समिति द्वारा आयोजितूके 9वें दिन ज्योतिष पीठ बद्रिकाश्रम व्यासपीठालंकृत आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने कहे।
उन्होंने कहा कि शिवपुराण कथा सुनने में असमर्थ हो तो प्रतिदिन जितेंद्रिय होकर मुहूर्त (क्षण) मात्र सुने। यदि मनुष्य प्रतिदिन के सुनने में असमर्थ हो तो पुण्यमास आदि में शिव की कथा सुनें। जो मनुष्य शिव की कथा को सुनता है वो कर्मरूपी बडे वन को भष्म करके संसार में तर जाता है। जो पुरुष मुहूर्त मात्र आधे मुहूर्त या क्षणभर शिव की कथा को भक्ति से सुनते हैं उनकी कदापि दुर्गति नही होती है।
कलियुग में धर्म आचर को त्यागने वाले दुर्बुद्वि वाले मनुष्यों के हित करने को शिव ने पुराण नामक अमृत रस विधान किया है। अमृत को पीकर एक ही मनुष्य अजर अमर होता है परंतु शिव की कथा रूपी अमृत के पान करने से सब कुल ही अजर अमर हो जाता है।
कार्यक्रम में दीपक रावत, सरिता रावत, साबर सिंह रावत, मंजू रावत, दर्शन रावत, हर्षि रावत, सुशीला भण्डारी, हरेंद्र भंडारी, विश्व वर्धन थपलियाल, रेखा थपलियाल, जसवीर बिष्ट, दीपक पंथ, कामेश्वर चौबे, केशव शास्त्री, ठाकुर पाठक, धर्मानन्द जोशी आदि भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित थे।

शिवपुराण

8 शिवपुराण कथा सुनने में असमर्थ हो तो प्रतिदिन जितेंद्रिय होकर मुहूर्त (क्षण) मात्र सुने।

देश की दो तहसीलों में होगा मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एनआईएमएचएएनएस संस्थान के कन्वोकेशन सेन्टर में नमन कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम निमास बेंगलुरु एवं आश्रय हस्ता ट्रस्ट के सहयोग से व्यापक ग्रामीण मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में कियान्वित किया जायेगा।
यह प्रोजेक्ट उत्तराखंड के जनपद पिथौरागढ़ के मनुस्यारी तहसील और कर्नाटक राज्य के हसन जिले के बेल्लूर तहसील में सम्पादित किया जायेगा, जिसकी अवधि 03 वर्ष होगी।
आयोजन के तहत उक्त तहसीलों की सम्पूर्ण जनसंख्या की मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूर्ण करने का निर्णय लिया

गया है। यह कार्यक्रम मानव के सम्पूर्ण जीवन काल- गर्भावस्था से लेकर मृत अवस्था तक के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर आधारित है। इस प्रोजेक्ट को तीन वर्ष की अवधि के अन्तराल में पूर्ण किया जायेगा।
एनआईएमएचएएनएस द्वारा इस कार्यक्रम को समग्र रूप से कियान्वित करने के लिये एक रोड मैप विकसित किया गया है।
उत्तराखंड में इसके सफलतापूर्ण संचालन हेतु एम्स ऋषिकेश से भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके लिये पूरे भारतवर्ष से मात्र दो तहसीलों का चयन किया गया है ,जिसमें से एक उत्तराखंड के जनपद पिथौरागढ़ के मुनस्यारी तहसील दूसरा कर्नाटक के हसन जिले के बेल्लूर तहसील है।
डा. विनीता शाह, महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखंड ने सोमवार को जानकारी कि
एनआईएमएचएएनएस बेंगलुरु एवं एम्स ऋषिकेश से डीपीसीपी डिप्लोमा प्राप्त उत्तराखंड के राजकीय चिकित्सकों ने सिलक्यारा टनल दुर्घटना के दौरान श्रमिकों के मानसिक एवं शारीरिक उपचार में एवं आपदाओं में महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कार्य किया।

आईएमए के पूर्व प्रशिक्षुओं ने अपनी स्मृतियों को दोहराया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आईएमए के पूर्व प्रशिक्षुओं ने अपनी स्मृतियों को दोहराया। यह आयोजन आईएमए ने किया था। भारतीय सैन्य अकादमी के जन सम्पर्क अधिकारी ले.कर्नल ईसा ठकराल ने बताया कि यह 1998 की सर्दियों की बात है, जब चार सौ पचहत्तर युवाओं का एक समूह अपने कंधों पर सितारे और आंखों में सपने लिए एक साहसिक यात्रा के लिए भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून के पवित्र द्वार से गुजरा। ढाई दशकों से अधिक समय से, 103 रेग, 86 टेक और 07 यूईएस कोर्स के लड़कों का बैंड 17-18 दिसंबर 2023 तक अपने जीवनसाथी के

साथ आईएमए में इकट्ठा हुआ, इस बार उस जगह के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए जिसने उन्हें 'हार्डी सोल्जर्स' में बदल दिया। ' 'यंग मेन' से। उनके लिए यह समृद्ध लंबी यात्रा कठिन, साहसिक, फलदायी, संतोषजनक, घटनापूर्ण और एक विनम्र अनुभव रही है।
वे देश के कोने-कोने से आए थे और उन्होंने आईएमए के सबसे अच्छे प्रशिक्षकों और उस्तादों के अधीन बिताए गए दिनों को याद किया, जिन्होंने उनमें नेतृत्व के बेहतरीन गुणों को विकसित किया था, जो उन्हें एक बहुत ही कठिन पेशेवर जीवन के हर मुश्किल दौर में खड़ा रखता था। इस अवसर पर पाठ्यक्रम के शहीदों के परिजन भी उपस्थित थे।
शारीरिक हाव-भाव और हाव-भाव में देखी गई सामान्य मित्रता और सौहार्द के अलावा, जो ताजा माहौल बनाया गया वह उत्साहपूर्ण और उल्लासपूर्ण था जैसा कि अपेक्षित था। पाठ्यक्रम की भावना को कायम रखते हुए समारोह की शुरूआत आईएमए युद्ध स्मारक पर अपने शहीद साथियों को याद करने और श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके बाद उनके अल्मा मेटर में उनके प्रशिक्षण के दिनों की यादों को फिर से ताजा करने के लिए अकादमी के चारों ओर पूरे पाठ्यक्रम का विंडशील्ड दौरा किया गया। 103 रेग, 86 टेक और 07 यूईएस पाठ्यक्रमों के अधिकारियों ने देश के सभी हिस्सों में सेवा की है और कई ने विदेशी असाइनमेंट में भी सेवा की है। इस पाठ्यक्रम में बहादुरी और विशिष्ट सेवा के लिए कई उत्कृष्ट उपलब्धियाँ, सम्मान और पुरस्कार शामिल हैं।
पाठ्यक्रमों के अधिकारियों ने अपनी पूरी सेवा के दौरान विभिन्न रैंकों पर कई कमांड और स्टाफ कार्य किए हैं, जिनमें भारतीय सेना की कुछ सबसे प्रतिष्ठित इकाइयों की कमान भी शामिल है।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु ने किया 50 लाख से अधिक के कार्यों का लोकार्पण

देहरादून /टीम एक्शन इंडिया
कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने सोमवार को 50 लाख की लागत से अधिक निर्मित कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।
जनपद पौड़ी के विधानसभा कोटद्वार विकासखंड दुगड्डा के बद्रीनाथ रोड स्थित बालिका इंटर कॉलेज में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने 29.32 लाख की लागत से विद्यालय का जीर्णोद्धार किया। इसका आज उन्होंने विधिवत रिबन काटकर लोकार्पण किया। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने जिला खनिज और न्याय निधि से भवन के जीर्णोद्धार के लिए 18.88 लाख की लगाता के होने वाले कार्यों का शिलान्यास किया।
इस दौरान विद्यालय प्रशासन ने विधानसभा अध्यक्ष को शॉल ओढ़ाकर उनको सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही बच्चों और अभिभावकों ने भी उनका आभार एवं धन्यवाद जताया।
इससे आठ कक्षा कक्षों का मरम्मत का कार्य व दो बालिका शौचालय का निर्माण कार्य किया गया है। जिला खनिज और न्याय निधि से भवन के जीर्णोद्धार के लिए 18.88 लाख की लागत के होने वाले कार्यों का शिलान्यास किया, जिसमें राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज कोटद्वार में चार कक्षा कक्षों का मरम्मत का कार्य किया जाना है।
कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने वार्ड संख्या 13 नगर मालगोदाम रोड स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालिका नगर में विधायक निधि से 6.50 लाख की लागत से निर्मित कार्यों का लोकार्पण किया।

संपादकीय

मुफ्त खाद्यान का आर्थिक असमानता कनेक्शन

केंद्र सरकार 1 जनवरी, 2024 से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को निरूशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराएगी। प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुसार1 जनवरी, 2024 से 5 वर्षों के लिए पीएमजीकेएवाई के तहत निःशुल्क खाद्यान्न चावल, गेहूं और मोटा अनाज,पोषक अनाज खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएगा और जनसंख्या के निर्धन और निर्बल वर्गों की किसी भी वित्तीय कठिनाई में कमी लाएगा। यह एक समान लोगो के तहत 5 लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के नेटवर्क के माध्यम से सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में निरूशुल्क खाद्यान्न वितरण में राष्ट्रव्यापी एकरूपता प्रदान करेगा।उदाहरण के लिए, एक अंत्योदय परिवार के लिए 35 किलो चावल की आर्थिक लागत 1371 रुपए है, जबकि 35 किलो गेहूं की कीमत 946 रूपए है, जो पीएमजीकेएवाई के तहत भारत सरकार द्वारा वहन की जाती है और परिवारों को खाद्यान्न पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, निरूशुल्क खाद्यान्न के कारण राशन कार्ड धारकों को होने वाली मासिक बचत महत्वपूर्ण है।इसके अलावा भी गरीबों के उत्थान के लिए भारत सरकार द्वारा एक दो नही बल्कि दर्जन भर अति महत्वकॉक्षी योजनाए जैसे पीएम विश्वकर्मा योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,जनधन योजना,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजन,प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना,उज्ज्वला योजना,आयुष्मान भारत योजना,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,अटल पेंशन योजना चलाई जा रही है। इसके बावजूद अगर सरकार को अगले पॉच वर्ष तक देश की आधी आबादी के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था करनी पड़ रही है, इस पर बहुत गहनता से मंथन करना होगा। देश में तेजी से बढ़ती आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, मंहगाई, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसे तमाम खामिया सामने आ रही है जिसका तालुक कही न कही इस तरह की मुफ्त योजनाओं से है। यहॉ सबसे विचारणीय प्रश्न यह कि सरकार लगातार इस बॉत का दावा कर रही है कि हम इस अवधि में विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे है। निश्चित तौर पर यह सब सरकार और सरकार के लिए काम कर रहे विशेषज्ञों, वरिष्ठ आईएएस अफसरों, वित्त विशेषज्ञों की मेहनत और सोच का परिणाम है। अगर इसी तरह सरकार विशेषज्ञ अगले पॉच वर्षो में देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफत राशन की जगह बीस हजार रुपए मासिक का व्यवसाय, रोजगार, मजदूरी उपलब्ध कराने की व्यवस्था करा दे तो शायद इसका कुछ अलग ही नजारा देखने को मिलेगा। अब ऐसे में भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था को देखा जाए तो कुछ अलग ही नजर आता हैं एक तरफ जहॉ बढ़ती आबादी से अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चीन ने अपने मजदूरों के बूते विश्व में सस्ते माल की आपूर्ति कर एक वैश्विक आर्थिक सम्राज्य खड़ा किया। वियतनाम, थाइलैंड, बांग्लादेश ने उससे यह कला सीखी और भारत ने भी उत्पादन बढ़ाया. लेकिन फ्री राशन वितरण ने इस उत्पादन पर विराम लगा दिया. विश्व बाजार में आज भारतीय मजदूरों की कारीगरी नहीं दिखती।इसके विपरीत चीन, थाइलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलयेशिया और बांग्लादेश के मजदूरों का बनाया माल वहां छाया रहता है।

भारतीय राजनीति में पीढ़ी परिवर्तन - साइड में सीनियर एक्शन में जूनियर

गोंदिया

> जिसका प्रभाव अभी भारतीय राजनीति में भी देखने को मिल रहा है। हालांकि इसकी शुरूआत पहले ही हो गई थी परंतु अभी 3 दिसंबर 2023 को आए विधानसभा चुनाव के नतीजे से वहां मुख्यमंत्रीयों के नए चेहरों को दिया गया है, इससे एकाएक सामान्य कार्यकर्ता, पीढ़ी परिवर्तन और नई लीडरशिप की गूंज सुनाई दी है जिसे देखकर आम जनता हस्तप्रभ है, वही विपक्षी पार्टी भी इसी लाइन पर चलकर प्रदेशों में युवा चेहरों को नियुक्त कर रहे हैं, जिसका ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश में बड़े अनुभवी चेहरे को किनारे कर युवा नेता को प्रदेश की बागडोर सौंप गई है। इस तरह पार्टियां अपनी लीडरशिप में नई पीढ़ी और सामान्य कार्यकर्ता को आगे कर आगामी 2024 के चुनाव के लिए एक्शन में आते दिख रहे हैं। चूंकि दो दिनों से सामान्य कार्यकर्ता, नई पीढ़ी तथा नई लीडरशिप की गूंज सुनाई दे

वैश्विक स्तरपर दुनियां का सबसे बड़ा और गहरा लोकतंत्र भारत है, जहां दुनियां की सबसे अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसका एक-एक राज्य पश्चिमी देशों के एक-एक देश के बराबर जनसंख्या वाला देश हो रहा है,जो रेखांकित करने वाली बात है। वहीं पिछले कुछ वर्षों की अवधि देखेतो प्रौद्योगिकी विज्ञान तकनीकी डिजिटाइजेशन सहित सभी क्षेत्रों में तीव्र विकास हुआ है। युवाओं का भारी तबका इसके पीछे मेहनत कर रहा है और उम्रदराज लोग मार्गदर्शन का काम कर रहे हैं,जिसका प्रभाव अभी भारतीय राजनीति में भी देखने को मिल रहा है। हालांकि इसकी शुरूआत पहले ही हो गई थी परंतु अभी 3 दिसंबर 2023 को आए विधानसभा चुनाव के नतीजे से वहां मुख्यमंत्रीयों के नए चेहरों को दिया गया है, इससे एकाएक सामान्य कार्यकर्ता, पीढ़ी परिवर्तन और नई लीडरशिप की गूंज सुनाई दी है जिसे देखकर आम जनता हस्तप्रभ है, वही विपक्षी पार्टी भी इसी लाइन पर चलकर प्रदेशों में युवा चेहरों को नियुक्त कर रहे हैं, जिसका ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश में बड़े अनुभवी चेहरे को किनारे कर युवा नेता को प्रदेश की बागडोर सौंप गई है। इस तरह पार्टियां अपनी लीडरशिप में नई पीढ़ी और सामान्य कार्यकर्ता को आगे कर आगामी 2024 के चुनाव के लिए एक्शन में आते दिख रहे हैं। चूंकि दो दिनों से सामान्य कार्यकर्ता, नई पीढ़ी तथा नई लीडरशिप की गूंज सुनाई दे रही है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय राजनीति में पीढ़ी परिवर्तन,साइड में सीनियर एक्शन में जूनियर, जिसका असर आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में भारतीय राजनीति में नई लीडरशिप की करें तो, तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद एक पार्टी ने सभी जगहों पर नए चेहरे को मौका दिया है। बताया जा रहा है कि इसके जरिए दूसरी पंक्ति के नेताओं को आगे लाने का सियासी प्रयोग किया है। इसके साथ पार्टी ने एक मजबूत प्रतीकात्मक आधार भी तैयार किया है और नई सोशल इंजीनियरिंग गढ़ कर नया संदेश देने की कोशिश कीहै।

साथियों बात अगर हम तीन राज्यों में नई लीडरशिप की करें तो, सियासी जानकारोंके अनुसार छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मुख्यमंत्री और उप मुखमंत्री के

तौर पर जातिगत चेहरों को उतार कर पार्टी ने एक संदेश दिया। पार्टी ने इसके साथ ही तीनों राज्यों में नए नेतृत्व को लेकर भी नई पॉलिटिकल पिच तैयार कर सबको चौंका दिया। जानकार बताते हैं कि नागपुर और पार्टी आलाकमान ने इन फैसलों से के पीछे कई संदेश दिए हैं। पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। मातृ संगठन अभी उतना ही ताकतवर है। वो जिसे और जैसे चाहे फर्शसेअर्श तक पहुंचा
सकता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान राजनीति के व्याकरण को बदलने की कोशिश की करें तो, जिस तरह से राजनीतिक दल काम करते हैं या जो राजनीतिक दलों की परंपरा रही है उस राजनीति के व्याकरण को अब एक पार्टी और खास तौर पर ताकतवर पार्टी का चेहरा उसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं। वो कहते हैं कि पार्टी नए प्रयोग कर रही है और उसके कई फैसले अप्रत्याशित भी हैं। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण दिया और कहा कि उस साधारण व्यक्तित्व को भी इसी तरह से मुख्यमंत्री चुना गया जबकि उनसे वरिष्ठ और सक्रिय नेता संगठन में मौजूद थे।उसी तरह, वो कहते हैं, महाराष्ट्र में भी सामान्य को मुख्यमंत्री बनाकर पार्टी ने कद्दावर मराठा नेताओं को चौंका दिया था। फिर उसी को उपमुख्यमंत्री भी बना दिया गया। अन्य पार्टी का व्यक्ति भी भी उपमुख्यमंत्री हैं जबकि दूसरी पार्टी का व्यक्ति मुख्यमंत्री हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, उत्तरखंड में तो विधानसभा के चुनाव हारने के बावजूद उनको मुख्यमंत्री बना दिया गया। ये सिर्फ पार्टी और सिर्फ पार्टी का चेहरा व्यक्तित्व ही इस तरह का रिस्क ले सकते हैं। पार्टी ने सिर्फ मुख्यमंत्री के चयन में नहीं बल्कि उपमुख्यमंत्री के चयन में भी अपनी ही पार्टी के नेताओं को चौंका दिया है।चाहे छत्तीसगढ़ में हों या मध्य प्रदेश में पार्टी ने इसके जरिये जातिगत समीकरणों में संतुलन बनाने का प्रयास भी किया है।उसी तरह राजस्थान में भी हुआ जहां जयपुर राजघराने और अन्य को उप मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की गई है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जिस दिन पार्टी के विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी उस दिन प्रदेश कार्यालय में नव निर्वाचित विधायकों का फोटो सेशन भी हुआ। बड़े नेता सब सामने की पंक्ति में कुर्सियों पर बैठे हुए थे। इनमें सिटिंग मुख्यमंत्री और इस रेस में शामिल सभी बड़े नेता केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ मुस्कुरा रहे थे।तीसरी पंक्ति में खड़े वर्तमान मुख्यमंत्री मुश्किल से ही पहचान में आ रहे थे। लेकिन कुछ ही मिनटों के अंतराल के बाद वे आगे की पंक्ति से सबसे प्रमुख नेता बन गए। ये पहली बार ही हुआ होगा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर, भोपाल और जयपुर में पार्टी के मुख्यालयों पर मौजूद नेता मुख्यमंत्री के नामों की घोषणा के बाद सकते में आ गए हों।जो पत्रकार रायपुर और जयपुर में मौजूद थे उनका कहना है कि घोषणा के कुछ मिनटों तक तो कार्यकताओं और नेताओं को कुछ समझ में ही नहीं आया कि ये क्या हुआ। भोपाल में भी यही नजारा था जहां मुख्यमंत्री की कुर्सी की दौड़ में शामिल नेताओं के समर्थकों ने कार्यालय के बाहर डेरा डाला हुआ था। उनके पास अपने अपने नेताओं के पोस्टर भी थे।लेकिन जब घोषणा हुई तो सब हैरान रह गए। बाद में सीएम के समर्थकों ने नारे लगाने शुरू किए मगर उनके समर्थकों की तादाद कम थी। कम चर्चित चेहरों को शीर्ष पदों पर जिम्मेदारी सौंपने का सिलसिला जो पार्टी ने शुरू किया है वो विश्लेषकों की समझ से परे है, क्योंकि पार्टी के इस कदम की अलग अलग तरीके से व्याख्या की जा रही है। दिग्गजों को दरकिनार कर पार्टी ने उन नेताओं के हाथों में राज्यों की कमान सौंपी है जिनके नाम किसी फेहरिस्त में दूर-दूर तक नहीं रहे। जो मुख्यमंत्री की रेस में भी नहीं रहे। इसमें एक बड़ा संदेश यह है कि पार्टी का साधारण से साधारण कार्यकर्ता बड़े सपने देख सकता है, बशर्ते वह दिन-रात मेहनत करे। इसके लिए कुलीन वर्ग का होना जरूरी नहीं है। किसी खास परिवार की जरूरत नहीं है और न ही किसी खास डिग्री की। इन बातों के अलावा यह भी सच है की तीनों सामान्य और साधारण व्यक्तित्व को क्रमशः राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश को मुख्यमंत्री बनाए जाने के पीछे जाति समीकरण को भी साधने की कोशिश की गई है। यह बदलाव भविष्य के नेताओं को तैयार करने की नर्सरी के रूप में नागपुर, एबीवीपी का बढ़ता प्रभाव और सबसे ऊपर अपने सुनहरे दिनों में मां और बेटे की तरह राज्यों पर केंद्रीय कमान की पकड़ की पुष्टि करता है।

साथियों बात अगर हम एक प्रिंट मीडिया में माननीय पीएम की बात की करें तो उन्होंने इस कदम के बारे में पार्टी के संदेश पर बात की। पीएम से यह पूछा गया था कि पार्टी ने तीनों राज्यों में अपेक्षाकृत नए और अनजान चेहरे को मुख्यमंत्री बनाया है, इसका क्या संदेश है? इसके जवाब में पीएम ने कहा कि हमारे देश का एक दुर्भाग्य रहा है कि जो लोग अपनी वाणी से अपनी बुद्धि और अपने व्यक्तित्व से सामाजिक जीवन में प्रभाव पैदा करते हैं, उनमें से एक बहुत बड़ा वर्ग एक घिसी-पिटी, बंद मानसिकता में जकड़ा हुआ है। पीएम ने कहा कि यह केवल राजनीति के क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, जीवन के हर क्षेत्र में यह प्रवृत्ति हमें परेशान करती है, जैसे किसी भी सेक्टर में कोई नाम अगर बड़ा हो गया, किसी ने अपनी ब्रॉन्डिंग कर दी तो बाकी लोगों पर सबका ध्यान नहीं जाता है., चाहे वो लोग कितने ही प्रतिभाशाली क्यों न हों, कितना भी अच्छा काम क्यों न करते हों। ठीक वैसा ही राजनीतिक क्षेत्र में भी होता है। दुर्भाग्य से अनेक दशकों से कुछ ही परिवारों पर मीडिया का फोकस सबसे ज्यादा रहा है।

कविता

परछाई में तेरी रंग मिलाता हूं,
तश्वीर में लहु का रंग मिलाता हूं ।।
जिंदगी से तिरी तो गुजर ही गया ,
पर सांसों में तुझे हर पल पाता हूं ।
तस्वीरों पर तेरी पड़ गई बहुत धुंध ,
एहसासों उसकी धूल हटाता हूं।।
अलविदा कहा तेरी परछाइयों ने भी ,
पराया होकर पराया नहीं रह पाता हूं।
तेरा एहसास बडा इंद्रधनुषी जानम,,
तेरे ख्यालो में ही जिया जाता हूँ।।
तेरे सांसों की खुशबू से इतर,
और खुशबू नहीं सह पाता हूं ।.
कितने गुलशनों में भटका तेरे लिए
हसीन तुझसा फूल नहीं चुन पाता हूं।
महकती आ जाओ कभी मेरी ख्यालों में,
पूरी रतिया आंखों में गुजार जाता हूं।
तेरी खुशबू से तरबतर हूँ अभी तक,
हसीन एहसास से ही शर्मा जाता हूं।।
बंदीशें से तुझ पर भी है बहुत, संजीव,
हवाओं में तेरे नाम गजल लिख जाता हूं।

संजीव ठाकुर

नए कौशल सीखना वैकल्पिक नहीं, अनिवार्य है

विजय गर्ग

कॅरिअर ग्रोथ के लिए केवल एक निर्धारित कौशल एवं शैक्षणिक योग्यता के साथ दीर्घकालिक लक्ष्यों की पूर्ति मुश्किल है। नई तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में स्थिति निरंतर बदल रही है, जहां युवाओं के लिए कॅरिअर के बेहतर विकल्प मौजूद हैं। इस तेजी से बदलते परिवेश में युवाओं के लिए अवसरों की संभावनाएं जरूर बढ़ रही हैं, लेकिन इन क्षेत्रों में नौकरी करने के लिए केवल एक निश्चित कौशल एवं निर्धारित पात्रताएं ही काफी नहीं हैं। इन क्षेत्रों में खुद की अलग पहचान बनाने के लिए आपको उन कौशलों का मूल्यांकन करना होगा, जो उच्च पेशेवर नौकरियों के लिए आवश्यक हैं।

डिजिटल दुनिया में अद्वितीय मौके

आधुनिक युग में निरंतर नए कौशल की मांग बढ़ रही है, क्योंकि डिजिटल दुनिया में शानदार मौके विकसित हो रहे
हैं नई प्रौद्योगिकियों, ऐप्लिकेशन्स और तरीकों का प्रयोग करने के लिए आपको नए कौशल का विकास करना आवश्यक है। एक तरफ यह आपके व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करता है, तो दूसरी तरफ आपके कॅरिअर को सुरक्षित और प्रगतिशील बनाने में भी मदद करता है।

प्रतिस्पर्धा की क्षमता का विकास

नए कौशल सीखने के पश्चात आप अपने काम को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं और अधिक रोचक परियोजनाओं का सामना करने में सक्षम हो सकते हैं। इसके साथ ही आप अपने कॅरिअर निर्माण के लिए नित नए अवसरों की तलाश भी कर सकते हैं। नए कौशल सीखना सिर्फ आपके कॅरिअर को ही बेहतर नहीं बनाता, बल्कि व्यक्तिगत विकास एवं उन मूल्यों को जोड़ने में आपका सहयोग करता है, जो दीर्घकालिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

नए क्षेत्र व विषय का चुनाव

आज सीखने का तंत्र और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यह आपके कॅरिअर में स्थिरता लाने में मदद कर सकता है। यदि आप एक नौकरी की तलाश में हैं, तो नए कौशल सीखने से आपको अपने रिज्यूमे को आकर्षक बनाने में मदद मिल सकती है। इसका एक लाभ यह भी है कि आप नए विकल्प चुन सकते हैं, जिनमें आपकी निपुणता व रुझान हो। इससे आपका दिमाग स्थिरता के साथ सही दिशा में काम करता है और आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर बनता है।

अपने अंदर का कौशल पहचानें

कोई भी नया कौशल सीखने के लिए आपको विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती है। आप अपने व्यक्तिगत रुचि और लक्ष्य के आधार पर स्वयं का
मूल्यांकन कर सकते हैं और उन कौशलों का चयन कर सकते हैं, जो आपके लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। आगे बढ़ने के लिए नए कौशल सीखना एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण तरीका है, जिससे आप अपना भविष्य बेहतर बनाने के साथ ही समाज में एक अहम स्थान बना सकते हैं।

विचार

जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था के कामकाज के तरीके को बदल देगा

विजय गर्ग

जनरेटिव एआई अर्थव्यवस्था के कामकाज और कारोबार चलाने के तरीके को बदल देगा; यह कई क्षेत्रों के लिए गेम चेंजर साबित होगा अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति से प्रेरित दुनिया में, एक अभूतपूर्व शक्ति उभरती है जो नवाचार के मूल ढांचे को नया आकार देने का वादा करती है: जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। बनाने, रचना करने और कल्पना करने की अपनी विस्मयकारी क्षमता के साथ, जेनरेटिव एआई वैज्ञानिक अन्वेषण में सबसे आगे बढ़ गया है और शोधकताओं, उद्यमियों और कलाकारों की कल्पनाओं पर कब्जा कर रहा है। यथार्थवादी छवियां उत्पन्न करने और संगीत को संश्लेषित करने से लेकर दवा की खोज में सहायता करने और ग्राहक अनुभवों में क्रांति लाने तक, इस अत्याधुनिक तकनीक में उद्योगों की एक विशाल श्रृंखला में क्रांति लाने, सीमाओं को पार करने और जो हमने असंभव सोचा था उसकी सीमाओं को पार करने की क्षमता है। जनरल एआई की क्षमता त्रील्लअक मानव कल्पना और रचनात्मक अभिव्यक्ति की सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए कला, डिजाइन, मनोरंजन और स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न उद्योगों में रोमांचक संभावनाएं पैदा कर रहा है। अति वैयक्तिकरण जेनरेटिव एआई द्वारा संचालित
हाइपर-वैयक्तिकरण, उपयोगकताओं को उनकी अद्वितीय प्राथमिकताओं, व्यवहार और विशेषताओं के आधार पर अत्यधिक अनुरूप और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करने की क्षमता को संदर्भित करता है। जेनरेटिव एआई एल्गोरिदम का लाभ उठाकर, व्यवसाय वैयक्तिकृत सामग्री, सिफारिशें और उत्पाद पेशकश उत्पन्न कर सकते हैं जो प्रत्येक उपयोगकर्ता के साथ गहरे स्तर पर मेल खाती हैं। कोडिंग और ऐप निर्माण कोड और ऐप बिल्डर्स सॉफ़्टवेयर को अधिक कुशलता से बनाने, मैन्युअल कोडिंग
की आवश्यकता को कम करने और एप्लिकेशन विकास प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में डेवलपर्स की सहायता के लिए जेनरेटिव एआई तकनीकों का लाभ उठाते हैं। इस प्रवृत्ति से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होने वाला एक उद्योग सॉफ्टवेयर विकास है। ये उपकरण डेवलपर्स द्वारा प्रदान किए गए उच्च-स्तरीय विनिदेर्शों के आधार पर स्वचालित रूप से कोड स्निपेट, टेम्प्लेट या यहां तक ??कि पूर्ण एप्लिकेशन उत्पन्न कर सकते हैं। यह सॉफ्टवेयर विकास को भी लोकतांत्रिक बनाता है, जिससे यह सीमित कोडिंग अनुभव वाले व्यक्तियों के लिए अधिक सुलभ हो जाता है। उन्नत यथार्थवाद और निष्ठा जेनेरिक एआई द्वारा संचालित उन्नत यथार्थवाद और निष्ठा विभिन्न डोमेन में अत्यधिक यथार्थवादी और विस्तृत आउटपुट बनाने के लिए जेनेरिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल का उपयोग करने को संदर्भित करती है। त्रील्लअक एल्गोरिदम उच्च-गुणवत्ता वाली छवियां, वीडियो, ऑडियो और टेक्स्ट उत्पन्न कर सकता है जो वास्तविक दुनिया के डेटा से काफी मिलते-जुलते हैं। इस प्रवृत्ति ने कई उद्योगों और डोमेन को गहराई से प्रभावित किया, जिससे हम डिजिटल सामग्री बनाने, डिजाइन करने और उसके साथ बातचीत करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाए। मनोरंजन उद्योग में, यह अधिक मनोरम फिल्में, गेम और वीआर/एआर अनुभव बनाने में सक्षम बनाता है। यह विसर्जन को बढ़ाता है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक आकर्षक कहानी कहने और उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार होता है।

इंटरएक्टिव और सह-रचनात्मक सिस्टम इंटरएक्टिव और सह-रचनात्मक सिस्टम उपयोगकताओं को जेनरेटिव प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने और सहयोग करने की अनुमति देते हैं। ये सिस्टम मनुष्यों और
एआई के बीच वास्तविक समय की बातचीत को सक्षम करते हैं, एक सह-रचनात्मक संबंध को बढ़ावा देते हैं जहां दोनों संस्थाएं सामग्री, विचार या डिजाइन तैयार करने में योगदान करती हैं। इंटरैक्टिव और सह-रचनात्मक प्रणालियों से सबसे अधिक प्रभावित एक उद्योग डिजाइन और रचनात्मकता का क्षेत्र है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

स्टेटस

सर कॉलेज में पढ़ाई करो न करो स्टेटस मेंटेन करना पड़ता है। जिंदगी जब एक बार मिली है तब उसे किश्तों में जीने का क्या मतलब? इक्कीस वर्षीय लड़की जिसके बाल बिखरे हुए थे। मॉडर्न होने के नाम पर टॉर्न जिंस और एक हल्की सी टीशर्ट जिस पर लिखा था- ह्यआई डोंट केयर व्हाट डू यू थिंकह्ल पहनी हुई थी। पुलिस वाले ने फिर से सवाल दोहराया - ह्यतुम तो पढ़ी लिखी हो। सामने वाले ने जब किडनी के बदले सात करोड़ देने की बात कही तो तुम्हें दाल में कुछ काला नहीं लगा? ह्यअब क्या बताऊं सर। डैड मेरी सेविंग के लिए जब तब रुपए जमा कर रहे थे। काश वह कभी कॉलेज जाते तो पता चलता कि कॉलेज में कितने खर्चे होते हैं। फिल्म, शॉपिंग, किटी पार्टी, सैर सपाटा और न जाने क्या-क्या उफ्फ....। मैंने अकाउंट से अस्सी हजार खर्च कर दिए थे। एक दिन पिताजी ने हिसाब पूछ लिया। मैं घबरा गई। इतना बड़ा अमाउंट लाऊं तो लाऊं कहां से। मुझे पैसों की सख्त जरूरत थी। तभी मुझे समाचार पत्र में किडनी वाला विज्ञापन दिखा। मुझे नहीं पता किडनी की क्या कीमत होती है। जब सामने वाले ने सात करोड़ का ऑफर दिया तो समझी कि होंगे सात करोड़। ह्यक्या तुम्हें एक बार के लिए भी नहीं लगा कि इतना बड़ा कदम उठाने से पहले एक बार अकाउंट चेक कर लेना चाहिए? सवाल तुम्हारी किडनी के साथ-साथ तुम्हारी जिंदगी का भी तो था। ह्यऐसा नहीं है सर। वे बड़े पढ़े-लिखे लोग थे। सूट-बूट पहने हुए। चेहरे से उनकी ईमानदारी साफ झलक रही थी। ऑपरेशन थिएटर में जाने से पहले उन्होंने मुझे साढ़े तीन करोड़ रुपए अकाउंट में जमा होने की बात भी कही। मुझे लगा कि वह सच बोल रहे हैं। इतना तो यकीन करना ही चाहिए। मुझे क्या पता था कि वह मुझसे झूठ बोल रहे थे। ह्यमैंने जब किडनी के बदले तय राशि की मांग की तो उन्होंने कहा कि राशि बड़ी है इसलिए सबसे पहले तुम्हें टैक्स के रूप में सोलह लाख रुपए देने होंगे। मुझे लगा कि उनकी बात तो सही है। जब राशि बड़ी है तो टैक्स लगेगा ही। सो मैंने उन्हें जैसे-तैसे जुटाकर सोलह लाख रुपए दे दिए। इतना होने पर भी राशि न मिलने पर मैंने उन्हें दोबारा फोन लगाय। इस बार उन्होंने कहा कि आपका अमाउंट दिल्ली में तैयार है आप तुरंत आकर ले जाएं।

आमजन के सपनों को साकार करता मोदी का सुशासन

-डॉ. सौरभ मालवीय

प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल के दस वर्ष पूर्ण होने वाले हैं। उन्होंने 26 मई, 2014 को प्रथम बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के पश्चात घोषणा की थी कि उनकी सरकार जनहित के लिए तथा अन्तयोदय के लिए कार्य करेगी। उन्होंने अपनी घोषणा में जो शब्द कहे, उस पर वह शत-प्रतिशत खरे सिद्ध हुए। उनके अब तक के संपूर्ण कार्यकाल पर दृष्टि डालें तो यह सेवा एवं सुशासन पर ही केन्द्रित रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि सुशासन राष्ट्र की प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमारा मंत्र, उद्देश्य व सिद्धांत नागरिकों को प्राथमिकता देने का है। मेरा सपना सरकार को लोगों के समीप लाने का है, ताकि वे प्रशासनिक प्रक्रिया के सक्रिय भागीदार बन सकें। सरकारी कामकाज की प्रक्रिया को आसान कर आसानी से सुशासन सुनिश्चित किया जा सकता है। उनका कहना है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां के नागरिक शासन का हिस्सा बनने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में, निर्णय लेने की प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी होना बहुत महत्वपूर्ण घटक है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के शासन में किए गए विभिन्न पहलों और सुधारों के बारे में लिखते रहते हैं। उनके शब्दों में- ह्ल130 करोड़ भारतीयों ने फैसला किया है कि वे भारत को आत्मनिर्भर बनाएंगे। आत्मनिर्भरता पर हमारा जोर, वैश्विक समृद्धि में योगदान करने की दृष्टि से प्रेरित है। हमारी सरकार एक ऐसी सरकार है, जो प्रत्येक भारतीय का ध्यान रखती है और उसके लिए चिंतित रहती है। हम लोक-केंद्रित और मानवीय दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल के मंत्र से प्रेरित होकर हमारी सरकार ने लोक-समर्थक शासन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए हैं, जो गरीबों, युवाओं, किसानों, महिलाओं और वंचित समुदाय की मदद करते हैं। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्तयोदय के मूल तत्वों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस समयावधि में उन्होंने विश्वभर के अनेक देशों में यात्राएं करके उनसे संबंध प्रगाढ़ बनाने का प्रयास किया है।

'यात्रा का मकसद लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना'

देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहभागिता सुनिश्चित करें: कविंद्र राणा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। विकसित भारत संकल्प यात्रा आज जिला के गांव अमृतपुर खुर्द और कैरवाली पहुंची। अमृतपुर खुर्द में भाजपा सेवा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य कविंद्र राणा ने लोगों से अपील की कि वे भारत को 2047 तक के विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने लोगों से केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की भी अपील की। कैरवाली में पूर्व विधायक रमेश कश्यप ने कहा कि यात्रा का मकसद समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। अमृतपुर खुर्द पहुंचने पर कविंद्र राणा और कैरवाली में पूर्व विधायक रमेश कश्यप ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। सरपंच गोविंद सिंह राणा ने अमृतपुर खुर्द में और सरपंच प्रतिनिधि सतपाल सिंह ने कैरवाली में मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया। हरियाणा के विकास पर बनी लघु फिल्म दिखाई गई। अमृतपुर खुर्द में सोहनलाल गुप्ता ने और कैरवाली में जगदीश राणा ने लोगों को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई।

कविंद्र राणा ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचना है। आज सरकार आपके द्वार पहुंची है। बुढ़ापा पेंशन, परिवार पहचान पत्र, आयुष्मान कार्ड बनवाने में यदि कोई समस्या आ रही है तो उसका मौके पर निवारण कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि करीब साढ़े नौ साल के अर्से में केंद्र और राज्य सरकार ने गरीबों, पिछड़ों और समाज के अन्य वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। उज्ज्वला योजना के तहत मुक्त रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पात्रों को सीधा लाभ उनके खातों में पहुंचाया जा रहा है।
उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा डिजिटल क्रांति के परिणाम स्वरूप भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और योजनाओं का सीधा लाभ आम आदमी को मिलने लगा है। ऑनलाइन सेवाओं के कारण घर बैठे योजनाओं का फायदा उठाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है और विश्व में भारत का रुतबा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत कैसे फिर से विश्व गुरु बने इस पर चिंतन करते हुए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। सोहन लाल गुप्ता ने इस अवसर पर विधायक हरविंदर कल्याण द्वारा हलके में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। नौकरियों में पारदर्शिता-पूर्व विधायक रमेश कश्यप ने कहा कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता बरती जा रही है। पर्ची-खर्ची सिस्टम बंद हो गया है। गरीब परिवार की लडकी की शादी के लिए सरकार ने 71 हजार की सहयता देने का प्रावधान किया है। अगले महीने से बुढ़ापा पेंशन 3 हजार रुपए मिलने लगेगी। उन्होंने कहा कि जनहित में सैकड़ों योजनाएं शुरू की हैं। लोगों को इनका फायदा उठाना चाहिए। यात्रा के जरिए गांवों में जाकर लोगों की समस्याओं का निपटारा किया जा रहा है। उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन-इस मौके पर अमृतपुर खुर्द में उज्ज्वला योजना के तहत चार महिलाओं. पिंकी रानी, रीना, मनीषा और आरती को निशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। कैरवाली में रजनी व बाला सहित 7 महिलाओं को गैस कनेक्शन दिए गए।

न्यूज फ्लैश

ग्लोबल ग्लोरी अवार्ड से सम्मानित हुई विभिन्न राज्यों की महान शख्सियतें

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया एंव ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा ग्लोबल ग्लोरी अवार्ड समारोह व एंटी करप्शन और ह्यूमन राइट्स जागरूकता सेमिनार का राष्ट्र स्तरीय भव्य आयोजन संस्थापक राष्ट्रीय सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की देखरेख में आयोजित किया गया।
समारोह में फिल्म अभिनेता राहुल रॉय व फिल्म एवं टीवी अभिनेत्री नायरा बैनर्जी ने सेलिब्रिटी चीफ गेस्ट के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणजोध सिंह एवं राष्ट्रीय चेयरमैन विजय गुप्ता ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी विजय जैन, डॉ. बरनाली शर्मा व सुनील गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर भ्रष्टाचार उन्मूलन एंव मानवाधिकारों की जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महान शख्सियतों, जिनमें युमनाम इराबंता सिंह, बिपुल हजारिका, विशाल काठ, गौरव गाबा, उमा हजारिका, फिरोज खान, गगनदीप मल्होत्रा, पवन शर्मा, कृष्णा गुप्ता, अब्दुल कय़्यूम वार, संजय डालमिया, जूनियर अन्नू कपूर, कंचन देओल, पंकज गर्ग, अजीत राही, सावी चौधरी, सुमन सूद, बलजीत कौर, हरदीप सिंह, पायल मित्तल, अनिल मदान, ईशा चौधरी, राकेश मक्कड़, गुंजन भटनागर, निशा चाचन, रामानंद सागर, विशाखा मित्तल, शैली शर्मा, हरप्रीत देओल, सुमित पूजाना, विनोद कुमार, डॉ.अनुराधा नागिआ, विपिन उपाध्याय, संदीप कुमार, कुश, प्रवीण गर्ग, पूजा शर्मा, बिक्रम चौधरी, अनिल कुमार मलिक, तरुण बंसल, पवन कुमार कंसल, राज कुमार सिक्का, एमपी तुली को ग्लोबल ग्लोरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी अवार्ड पुलिस विभाग से प्रदीप कुमार, नमना अहलावत व जगबीर सिंह को दिया गया।

योग से शरीर और मन दोनों फिट रहते हैं: दिनेश गुलाटी

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा
मेरा मिशन स्वस्थ भारत द्वारा बलदेव मिशन स्कूल सेक्टर 13 में मिशन के संचालक दिनेश गुलाटी के नेतृत्व में प्रतिदिन योग करवाया जा रहा है। कक्षा में प्रातः खेल मंत्रालय भारत सरकार के फिट इंडिया मिशन और सूर्य नमस्कार के ब्रांड एंबेसडर संदीप आर्य ने शिरकत की।
दिनेश गुलाटी ने बताया कि लगातार 36 घंटे 21 मिनट सूर्य नमस्कार का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के साथ-साथ उनके नाम अन्य भी अनगिनत रिकॉर्ड है। संदीप आर्य ने कक्षा में सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया और साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने और भोजन संबंधित नियमों के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। यदि शरीर और मन स्वस्थ नहीं हैं तो लक्ष्य को पाना असंभव है। योग से शरीर और मन दोनों फिट रहते हैं। दिनेश गुलाटी ने भी साधकों को योगासनों के अभ्यास के दौरान सूर्यनामस्कर का अभ्यास करवाया। संदीप आर्य ने कहा कि सूर्य नमस्कार योगासनों में सर्वश्रेष्ठ है, जो 12 योगासन से मिलकर बना है। योग की शुरूआत करने वालों के लिए यह सबसे बेहतर अभ्यास है। सूर्य नमस्कार के द्वारा सूर्य को नमन किया जाता है। यही एक ऐसा अभ्यास है जो संपूर्ण योग व व्यायाम का लाभ पहुंचाने में समर्थ है और योग अभ्यासी के शरीर को निरोग और स्वस्थ रखता है। इसे सभी आयु वर्ग के व्यक्ति कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से शरीर का वजन कम होता है। पाचन और भूख में सुधार होता है। कब्ज की समस्या दूर होती है। हड्डियों को मजबूती मिलती है। शरीर में खून का संचार बढ़ता है और शरीर का कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य अच्छा रहता है। इसके अभ्यास से शरीर के विषैले तत्व शरीर से बाहर होते हैं। कक्षा में शिक्षक निधि गुप्ता, नीलम बठला, राजेंद्र पपनेजा और सह शिक्षिका पूनम खन्ना मौजूद रहे।

डंफर चोर काबू, डंफर बरामद

टीम एक्शन इंडिया/करनाल
सीआईए टू की टीम ने विश्वसनीय सूचना पर आरोपी अमरजीत सिंह पुत्र राजपाल वासी बल्ला हाल भगत सिंह कॉलोनी कैथल को भगत सिंह कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को निशानदेही पर उसके कब्जे से चुराया गया डंफर बरामद किया गया। पुलिस जांच में पाया गया कि आरोपी अमरजीत ने 23 जुलाई को शिकायकर्ता बलविंदर वासी महमूदपुर का डम्फर महादेव मोटर्स की दुकान के बाहर से चोरी कर वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में नामालुम आरोपी के खिलाफ थाना शहर में चोरी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी अमरजीत से प्रारंभिक पूछताछ में पाया गया कि वह एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध पहले भी लड़ाई झगड़े, छेड़छाड़, चोरी और धोखाधड़ी के तहत करीब सात मुकदमें दर्ज हैं।

रामनगर क्षेत्र में दामाद की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। स्थानीय रामनगर क्षेत्र में एक दामाद की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतक के परिजन ससुराल पक्ष पर हत्या के आरोप लगा रहे हैं। परिजन ससुराल में पहुंचे तो उन्हें शव फंदे पर नहीं, बल्कि जमीन पर पड़ा हुआ मिला। शव के गले पर रस्सी के निशान और कट भी लगा हुआ बताया जा रहा है। बहनों का आरोप है कि उसके भाई की हत्या करके फंदे पर लटकाया गया है।
सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने डेड बॉडी को कब्जे में लेकर कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में दोपहर बाद पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय कुंजपुरा निवासी वजीर की शादी करीब सात साल पहले रामनगर की लडकी से हुई थी, जिसके तीन बच्चे हैं। वजीर पांच बहनों में अकेला भाई था। वजीर की पत्नी करीब दो साल से अपने मायके गई हुई थी और वह भी वहीं पर रह रहा था। रविवार की रात को ही वजीर की मौत हो गई।
मृतक के परिजन संजीव ने आरोप लगाते हुए कहा कि ससुराल वालों ने वजीर की मौत के बारे में न तो उन्हें कोई जानकारी दी और न ही अभी भी कुछ बता रहे हैं। आरोपियों ने इंद्री में अपने किसी रिश्तेदार को वजीर की मौत के विषय में बताया और इंद्री वालों ने मेरे चाचा को वजीर की मौत के बारे में बताया। फोन पर हुई बातचीत में इतना ही बताया गया कि वजीर छत से गिर गया है और मौत हो गई है। वजीर के घर वालों को बोल दीजिए कि करनाल अस्पताल में पहुंचें। संजीव ने बताया कि जब वह अस्पताल पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि वजीर चारपाई से गिरा है और मौत हो गई है। ये लोग गुमराह कर रहे हैं, क्योंकि चारपाई से गिरने पर मौत नहीं होती।

दो चोर काबू, एक मोबाइल व सोने की कानों की बालियां बरामद

टीम एक्शन इंडिया/करनाल
थाना तरावड़ी की टीम द्वारा आरोपी कुलदीप संधू पुत्र दरबारा सिंह और सुनील पुत्र रमेश वासियान रमाना रमानी को बस स्टैंड रमाना रमानी से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर उनके कब्जे से एक मोबाइल मार्का ओप्पो और कान की बालियां बरामद की गई। पुलिस जांच में पाया गया कि दोनों आरोपियों ने शिकायकर्ता गुरजीत कौर वासी रमाना रमानी के घर में घुसकर 3 दिसंबर की रात को एक मोबाइल, सोने की बालियां और दो हजार रुपए चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में अज्ञात आरोपी के खिलाफ थाना तरावड़ी में आईपीसी की धारा 380, 457 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

'सशक्त एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि'

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। युवाओं को उनकी देश के प्रति जिम्मेदारी के लिए जागरूक करने हेतु सशक्त युवा समृद्ध राष्ट्र कार्यक्रम में अपने सम्बोधन के दौरान क्रिकेटर सुमित नरवाल ने कहा कि एक सशक्त एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि होती है। युवा अपनी सोच एवं ऊर्जा से स्वयं का सम्पूर्ण निर्माण कर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं का निर्माण करने के साथ ही भारत को समझना, भारत को मानना, भारत का बनना और भारत को

बनाने के मंत्र के साथ कार्य करना होगा, तभी हम भारत को एक सशक्त एवं विकसित राष्ट्र के रूप मे निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने युवाओं को नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहकर देश के निर्माण में योगदान देने के साथ-साथ देश के अंदर पर्यावरण एवं जल जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि आज देश में राष्ट्र विरोधी तत्व एवं विदेशी शक्तियां देश को आतंकवाद, जातिवाद एवं क्षेत्रवाद से तोड ?ा चाहती हैं। आतंकवाद, जातिवाद एवं क्षेत्रवाद जैसे गम्भीर मुद्दे आप युवाओं के लिये सबसे बड़ी चुनौती है। आप जैसे युवाओं को इन चुनौतियों को स्वीकार कर इन्हें समाजवाद से जोड़ कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान करना होगा।

ट्रक चालक द्वारा कुचले जाने से तीन युवकों की हुई मौत

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। जिले के बांसा गांव में असंध रोड पर बाइक सवार तीन युवकों को एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने रौंद दिया। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गांव के दो युवक खूनी संघर्ष में घायल युवक को बाइक पर अस्पताल ले जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। तीनों की मौत से गांव में मातम पसर गया।
घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। आज पुलिस ने तीनों का पोस्टमार्टम करवाकर शवों को परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं शिकायत के आधार पर आरोपी ट्रक चालक व अजय पर चाकूओं से वार करने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक 20 वर्षीय अजय निवासी गांव बांसा के पिता महेंद्र ने बताया कि रविवार शाम को अजय व उसका चचेरा भाई वीरेंद्र पुत्र वीरभान पार्क में खेलने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान अजय की गांव के कुछ युवकों के साथ कहासुनी हो गई। इसके बाद देर रात करीब 9 बजे आरोपियों ने अजय को चाकू मार दिए और मौके से फरार हो गए। पिता का कहना है कि आरोपियों के परिवार के साथ उनकी पुरानी रंजिश थी।
अजय के पिता ने बताया कि उसके बेटे अजय के पेट में चाकू लगने से उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। अजय का चचेरा भाई वीरेंद्र और दूसरा युवक सुमित अपनी बाइक पर घायल अजय को जुंडला के सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए ले जा रहे थे। जैसे ही वे असंध रोड पर चढ़े तो एक पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने तीनों को कुचल दिया और तीनों की मौत हो गई। तीनों की उम्र 19 से 23 वर्ष है। पिता ने बताया कि सुमित और वीरेंद्र की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी और दोनों ही गुरुग्राम में जॉब करते थे। इस दौरान मृतक वीरेंद्र का भाई व दीपक उनकी बाइक के पीछे ही आ रहे थे। उसी ने हादसे के बाद सूचना परिजनों को दी थी। इस दौरान दीपक ने वहां से निकलने वाले वाहन चालकों से सडक पर तड़पते घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए भी मदद मांगी, लेकिन किसी ने भी अपनी गाड़ी नहीं रोकी।
आसपास के डेरों से कुछ सरदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस व एंबुलेंस को कॉल किया। इसके बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों को लेकर गई, लेकिन अस्पताल में तीनों को मृत घोषित कर दिया। गांव के सरपंच ने बताया कि हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है। एक 23 साल का है तो दो 20-20 साल के हैं। इससे दुखद हादसा कोई और नहीं हो सकता। परिवार की वेदना का अंदाजा भी लगाना मुश्किल है। जवान युवकों की मौत से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। जुंडला पुलिस चौकी इंचार्ज अंकित कुमार ने बताया कि अजय पर हमला करने वाले आरोपी युवक अभी फरार चल रहे हैं। आरोपी भी उसी गांव के ही हैं। वहीं ट्रक चालक हादसे के बाद ट्रक को छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया।

यमुना बाढ़ रोकथाम का विषय विधायक कल्याण ने विधानसभा में उठाया

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। घरौंडा विधायक हरविंदर कल्याण ने इस वर्ष पहाड़ों पर हुई अधिक वर्षा के कारण यमुना नदी में आई बाढ़ का विषय आज विधानसभा में उठाया। विधायक ने सरकार से प्रश्न किया था कि भविष्य में इस प्रकार की बाढ़ की स्थिति की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है, जिसके जवाब में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से कृषि मंत्री जेपी दलाल ने सदन को बताया कि भविष्य में यमुना नदी में बाढ़ की रोकथाम के लिए करनाल जिले के लिए यमुना के नौ अलग अलग प्वाइंट के लिए 34.77 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी गई है। सरकार की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि हरियाणा बाढ़ नियंत्रण बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में जो राशि करनाल जिले के यमुना नदी के विभिन्न प्वाइंटों के लिए मंजूर की गई है, उसके तहत लालुपुरा के लिए 12 करोड़, सदरपुर के लिए 1.30 करोड़, ढाकवाला के लिए 4.50 करोड़, कुंडाकलां के लिए 4.50 करोड़, खिराजपुर के लिए 4 करोड़, जडौली के लिए 1.25 करोड़, नबियाबाद के लिए 3 करोड़, कलसौरा के लिए 4 करोड़ तथा धनौरा के लिए 22 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। विधायक कल्याण ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए यमुना बाँध के ऊपर के रास्तों को भी पक्का करवाने की माँग की। विधायक ने विधानसभा में कहा कि बरसात के दिनों में अगर यमुना नदी के किसी प्वाइंट पर खतरे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तो बाढ़ से बचाव के लिए तथा स्टड़ आदि की मुरम्मत के लिए जब ट्रकों व बड़े डम्परों के माध्यम से पत्थर व अन्य मैटेरियल उस साइट पर पहुँचाया जाता है तो बरसात के दौरान कच्चे रास्तों से वाहनों का वहाँ पहुँचना बहुत ही मुश्किल हो जाता है।

सीमा बनी जेसीआई करनाल सिटी की महिला विंग की चेयरपर्सन

टीम एक्शन इंडिया/करनाल
जेसीआई करनाल सिटी की महिला विंग की ओर से आज वर्ष 2024 के लिए चेयरपर्सन को चुने जाने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को चेयरपर्सन सिमरनप्रीत कौर सग्गू एवं संस्था की सचिव ममता खन्ना ने संबोधित किया।
सिमरनप्रीत ने वर्ष 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि इस वर्ष संस्था ने अप्रैल माह में जेसीआई वीक आदि बहुत से सामाजिक कार्य किए। वित्त सचिव चारू गुप्ता ने वित्त वर्ष की जानकारी दी। आज पूर्व चेयरपर्सन आरती गर्ग, पल्लवी बांगिया, संगीता गुप्ता ने सर्वसम्मति से सीमा सुखीजा को वर्ष 2024 के लिए चेयरपर्सन नियुक्त किया। सभी सदस्यों ने सीमा को चेयरपर्सन बनने पर बधाई दी।
नवनियुक्त चेयरपर्सन सीमा सुखीजा ने अपने सभी सदस्यों एवं पूर्व चेयरपर्सन का धन्यवाद व्यक्त किया।

बाइक सवार ने बुजुर्ग पर किया रॉड से हमला

घर में कर रहा था ताक-झांक, पूछने पर सिर पर किए कई वार

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। सेक्टर-5 में एक बाइक सवार संदिग्ध व्यक्ति को बुजुर्ग द्वारा टोकना भारी पड़ गया। युवक ने अपने कपड़ों में छिपाई रॉड से 75 वर्षीय बुजुर्ग के सिर पर वार किया, जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से चोटिल हो गया। बुजुर्ग ने शोर मचाया तो आस-पड़ोस के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और परिजनों ने बुजुर्ग को कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। आरोप है कि युवक को इस क्षेत्र में पहले कभी नहीं देखा गया है। हमले के बाद युवक मौके से फरार हो गया। मामले की शिकायत पुलिस को की गई है।
बुजुर्ग के बेटे अमित ने बताया कि उनके पिता सत्यनारायण शाम को सेक्टर-5 में अपने घर के बाहर इस्त्री वाले ठेले पर बैठे हुए थे। इसी दौरान एक अपरिचित युवक बाइक पर आया और उनके घर के बाहर खड़ा हो गया व इधर उधर ताक-झांक करने लगा। उसके पिता ठेले से उठकर घर के बाहर खड़े युवक के पास आए और जानने का प्रयास किया कि आप कौन हो और किसे ढूंढ रहे हो। युवक ने कोई जवाब नहीं दिया।
बुजुर्ग वापस इस्त्री वाले के पास जाकर बैठ गया। बाइक चालक उसके पीछे पीछे ठेले पर ही पहुंच गया और उसने बुजुर्ग के सिर में रॉड से हमला कर दिया। बुजुर्ग ने बताया कि युवक ने अपनी हुड्डी यानी टोपे वाली जर्सी में पीछे रॉड छिपाई हुई थी। हमले के बाद युवक अपनी बाइक लेकर फरार हो गया, लेकिन बुजुर्ग ने आरोपी की बाइक का नंबर नोट कर लिया। अमित ने बताया कि हमले के बाद वह अपने पिता को करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए लेकर गए।

'सरकारों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाए ठोस कदम'

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को 2047 तक ष्आत्मनिर्भर और विकसित भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह दूरदर्शी विजन है, जिसके साकार होने से भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम करेगा।
गांव जलमाना में भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा तथा गांव पुंडरक में मुख्यमंत्री के निजी सचिव अभिमन्यु व प्रतिनिधी संजय बठला ने विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को एक साथ

मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। नागरिकों ने शपथ ली कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे।
हर योजना का हर पात्र व्यक्ति को मिले लाभः जिला अध्यक्ष योगेन्द्र राणा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सोच है कि आम आदमी सुचारू रूप से जिंदगी जिए और सरकार की जनकल्याणिकारी नीतियों एवं योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले। उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के ऐसे वंचितों को प्राथमिकता दी है जो दशकों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। गरीब परिवारों का चूल्हा धुंआ रहित हो, इसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवार की महिलाओं को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन दिए है।
विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान बतौर मुख्य अतिथि गांव पुंडरक की मूलभूत सुविधाओं से भी अधिकारियों को अवगत करवाया। इस उपरांत निजी सचिव अभिमन्यु ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आमजन की समस्याओं को पूरी प्रथमिकता से दूर करे। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने नागरिकों की समस्याओं को उनके घर पर ही सुनकर उसे दूर करने का काम किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के प्रतिनिधी संजय बठला ने भी उपस्थित ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी।
इस अवसर पर बीडीपीओ आस्था गर्ग, जिला महामंत्री सुनील गोयल, प्रदीप लाठर जिला उपाध्यक्ष भाजपा, नरेश सरपंच पुंडरक, कुलदीप शर्मा रामनगर मंडल प्रभारी, सुरेश फौजी पंचायत समिति सदस्य ब्लॉक करनाल आदि मौजूद रहे।

एक पहलः आओ अपने क्लस्टर को मॉडल बनाएं

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार शर्मा। जिला में एफएलएन कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक पहल की गई। जहां क्लस्टर स्तर पर मेंटर साथी, शिक्षक और सीआरसी को उनके अच्छे प्रयासों के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। करनाल जिले में यह एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 3 माह के लिए क्रियान्वयन किया गया और आज आखिरी चरण के सम्मान पुरस्कार वितरण कर इस पहल का समापन किया गया। पहले चरण से अब तक के चरण में चुने गए मॉडल क्लस्टर के रूप मे असंध ब्लॉक से जलमाना, पाढा और बाहरी, निसिंग ब्लॉक से बस्तली, गोंदर और जुंडला, करनाल ब्लॉक से मंगलपुर और कुंजपुरा, नीलोखेड़ी ब्लॉक से नीलोखेड़ी और अंजनथली और इंद्री ब्लॉक से उडाना, कलरी जागीर, घरौंडा ब्लॉक से घरौंडा, देवीपुर, चैरा को सम्मानित किये गये। इस पहल की सफल क्रियान्वयन में जिला समन्वयक विपिन कुमार, मारग्रेट, इमरान और ब्लॉक स्तर के सभी एफएलएन समन्वयकों ने अहम भूमिका अदा की।

जानकारी

हाथ धोने के लिए पानी ठंडा हो या गर्म

जानें बैक्टीरिया मारने में कौन सबसे ज्यादा असरदार

हाथ धोने का महत्व आज ज्यादातर लोग समझ चुके हैं। जो लोग अब भी गंदे हाथों से खाना-पीना करते हैं, उनके लिए 1 से 7 दिसंबर तक हैंडवॉशिंग अवेयरनेस वीक यानी हाथ धो कर साफ रखने के लिए जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। ठंड के मौसम में इस तरह की सफाई का ख्याल रखना और जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंडे पानी से हर कोई दूर रहना चाहता है। कई लोग यह दलील देते हैं कि गर्म पानी से हाथ धोना फायदेमंद होता है और इससे बैक्टीरिया ज्यादा मरते हैं। लेकिन क्या यह बात सच है? ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में इस बात का जवाब दिया गया है कि क्या गर्म पानी और ठंडे पानी से हाथ धोने में कोई फर्क है?

जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन में प्रकाशित ताजा रिसर्च के अनुसार, हाथ गर्म पानी से धोए जाएं या ठंडे से, कोई फर्क नहीं पड़ता है। खतरनाक बैक्टीरिया का सफाया करने में दोनों समान रूप से कारगर हैं। इतना जरूर है कि गर्म पानी में साबुन अच्छी तरह पिघल जाता है। इससे भी कई लोगों को लगता है कि गर्म पानी ज्यादा आसानी से बैक्टीरिया मारता है, लेकिन अब यह बात गलत साबित हुई है।

नए अध्ययन में विभिन्न पहलुओं से गर्म और ठंडे पानी के असर की जांच की गई, जैसे साबुन की मात्रा, पानी का तापमान, हाथ धोने में लगाया गया समय और साबुन कितना असरदार है।

10 सेकंड तक धोएं हाथ, पानी गर्म हो या ठंडा

अध्ययन में पाया गया कि पानी के तापमान का बैक्टीरिया को कम करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। चाहे यह 38 डिग्री सेल्सियस या 16 डिग्री सेल्सियस था, शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया में कमी में कोई अंतर नहीं पाया। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला कि कीटाणुओं को दूर करने के लिए 10 सेकंड तक हाथ धोना काफी प्रभावी होता है।

ठंड में बरतें यह सावधानी

ठंड में कई लोगों को सूखी त्वचा की समस्या से जूझना पड़ता है, खासतौर पर ऐसा हाथों में अधिक होता है। अक्सर साबुन में पाए जाने वाले रसायन हाथों की त्वचा को ड्राय बना देते हैं। ऐसे लोगों को साबुन से हाथ धोने से बचना चाहिए। जो लोग पानी के संपर्क में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें रबर के दास्ताने पहनकर काम करना चाहिए। लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने से हाथ ड्राय हो सकते हैं क्योंकि यह त्वचा में मौजूद प्राकृतिक ऑयल को धो देता है।

पानी का काम नहीं कर सकता हैंड सैनिटाइजर

डॉ. दीप्शा अग्रवाल के अनुसार, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग हाथ साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन साबुन से हाथ धोने से अच्छा कुछ भी नहीं है। इससे ही हमारे हाथों पर जमे कीटाणु 100 फीसदी तक खत्म हो सकते हैं। इसलिए हैंड सैनिटाइजर का उपयोग वहीं करना चाहिए, वहां पानी से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। हैंड सैनिटाइजर खरीदते समय ध्यान रखें कि कहीं उसमें ट्राइक्लोसेन या थाइलेट्स कैमिकल तो नहीं हैं। ये दोनों कैमिकल हानिकारक होते हैं। खासतौर पर थाइलेट्स त्वचा के जरिए ब्लड में जा सकता है और बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।

ड्राई स्किन या सूखी त्वचा असल में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन ध्यान न दिए जाने पर यह एक्जिमा (लाल चकत्ते) या घावों से खून के रिसाव की वजह बनती है। एक अन्य संभावित परेशानी सेकंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन (लाल त्वचा, सूजन, पस) होता है जिसमें एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत पड़ जाती है। बहुत कम मामलों में ही सही, सूखी त्वचा का एलर्जी से भी संबंध पाया जाता है।

सर्दियों में ड्राई स्किन से हैं परेशान

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे झट से मिलेगा आराम

त्वचा में नमी रखें

त्वचा को सूखने से बचाने का सबसे आसान उपाय उसे नम रखना है। स्किन मॉइस्चराइजर इस काम में आपकी बहुत ज्यादा मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि मॉइस्चराइजर जितना ज्यादा गाढ़ा और चिकना होगा, उतना ही ज्यादा प्रभावी होगा। इसमें तीन तरह की मुख्य वस्तुएं होती हैं-

1- ह्यूमेक्टेंट्स जो नमी को आकर्षित करते हैं और इसमें सेरेमाइड्स, ग्लिसरीन, सॉर्बिटॉल, हायल्यूरोनिक एसिड और लेसिथिन होते हैं।

2- दूसरा समूह होता है पेट्रोलेटम (पेट्रोलियम जेली), सिलिकॉन, लेनोलिन और मिनरल ऑइल का। यह नमी को त्वचा में ही कायम रखने में मदद करते हैं।

3- लिनोलेइक, लिनोलेनिक और लॉरिक एसिड्स जैसे एमोलिएंट्स। यह त्वचा के सेल्स के बीच की जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाए रखते हैं।

कुल मिलाकर सबसे प्रभावी (और सबसे चिपचिपी) की श्रेणी में पेट्रोलियम जैली और मॉइस्चराइजिंग ऑइल (जैसे मिनरल ऑइल) को रखा जा सकता है। दरअसल, इनमें पानी का अंश नहीं होता और नहाने के बाद त्वचा को नम रखने में यह सहायक होते हैं। कम चिकने मॉइस्चराइजर ज्यादा आकर्षक मगर कम प्रभावी होते हैं।

सूखी त्वचा से कैसे बचें?

- गर्म पानी से नहाने या शॉवर करने की अवधि को 5 से 10 मिनट तक ही सीमित कर दें। जितना ज्यादा नहाएंगे त्वचा की तैलीय परत कम होती जाएगी।
- नहाने के लिए बहुत गर्म पानी की बजाय कुनकुना (गुनगुना) पानी इस्तेमाल करें।
- साबुन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- सेटाफिल, ऑइलटम-एडी, एवेनिल जैसे सोप-फ्री क्लीन्सर्स का इस्तेमाल करें।
- खुशबूदार साबुन, अल्कोहल से दूरी बनाएं।
- बाथ स्पंज, स्क्रब ब्रश और कपड़े धोने को टालें।
- नहाने के बाद शरीर को सुखाने के दौरान टॉवेल को जोर से न रगड़ें।
- नहाने या हाथ धोने के तत्काल बाद मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पेट्रोलियम जैली और गाढ़े क्रीम्स का चिपचिपापन टालने के लिए पहले उसे कुछ देर हाथ में मलें फिर शरीर के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- त्वचा पर कभी न खुजाएं। मॉइस्चराइजर लगाने पर वैसे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी।
- खुजली वाले हिस्से पर कोल्ड पैक से भी राहत मिल सकती है।
- खुजली पैदा करने वाले वूलन स्वेटर, जैकेट सीधे शरीर पर न पहनें। पहले कॉटन का कपड़ा पहनें, उसके ऊपर ऊनी कपड़े पहनें।

कब मिलें डॉक्टर से

मौसम में बदलाव या उम्र बढ़ना आपकी त्वचा के सूखने की वजह न हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेहतर विकल्प होगा। हो सकता है त्वचा का कोई और रोग हो। घरेलू उपचार या बाजार से लाए गए मॉइश्चराइजर त्वचा के सूखने की समस्या को और अधिक ना बढ़ा दें।

सेहत

आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित करती है डायबिटीज

इसके लक्षण और बचाव

वर्तमान समय में डायबिटीज एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, आज इससे पूरी दुनिया प्रभावित है। डायबिटीज को शुरुआती निदान और उपचार के माध्यम से समय पर बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। चूंकि अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर कई गंभीर जटिलताओं से जुड़ा होता है, इसलिए समय पर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डायबिटीज के शुरुआती चरण में आपको बार-बार पेशाब आना, भूख बढ़ जाना, धुंधली दृष्टि, थकान, प्यास बढ़ जाना, हाथ-पैरों में झुनझुनी, यीस्ट संक्रमण और घावों का धीमी गति में सही होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज के लक्षण त्वचा पर भी दिखाई देते हैं। अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर भी रोगी की त्वचा को प्रभावित करता है। यहां हम आपको त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण क्या हैं

शुरुआती चरण के दौरान एक डायबिटीज रोगी की त्वचा पर पैच दिखाई दे सकते हैं। डार्क स्किन के ये पैच गर्दन या बगल (कांख) पर दिखाई दे सकते हैं। यह पैच वेल्वेटी हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को रूखी त्वचा का अनुभव हो सकता है।

डायबिटीज और त्वचा संबंधी समस्याओं के बीच क्या संबंध है?

अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल मुख्य रूप से त्वचा संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। विशेषज्ञों की मानें तो मधुमेह और त्वचा के संबंधी समस्याओं के बीच एक गहरा संबंध है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। त्वचा संबंधी ऐसी कई समस्याएं हैं जो मधुमेह के कारण हो सकती हैं। हालांकि, इन त्वचा संबंधी समस्याओं को डायबिटीज को नियंत्रित कर रोका जा सकता है। डायबिटिक डर्मोपैथी एक शब्द है जिसका उपयोग विशेष रूप से पैरों के सामने की त्वचा पर छोटे, भूरे धब्बों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। रोगी आमतौर पर इन त्वचा के धब्बों के कारण कोई लक्षण विकसित नहीं करते हैं और ये डायबिटीज के ज्यादातर रोगियों में होते हैं। यह लंबे समय से डायबिटीज वाले पुराने रोगियों में अधिक आम है। त्वचा में ये बदलाव डायबिटीज के कारण त्वचा में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होते हैं।

उपचार के क्या विकल्प हैं

हालांकि, अपने आप में इस स्थिति को किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं है, यह अच्छी तरह से डायबिटीज की अधिक गंभीर जटिलताओं की उपस्थिति का संकेत दे सकता है जैसे रेटिनोपैथी (आंख को नुकसान), नेफ्रोपैथी (गुर्दे की क्षति) और न्यूरोपैथी (तंत्रिका क्षति)। कॉस्मेटिक छलावरण शायद आवश्यकता होने पर त्वचा के धब्बों की उपस्थिति को छिपाने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटीज रोगियों में इस तरह के धब्बों का पता चलने पर तुरंत अपने ब्लड शुगर की जांच कराने की आवश्यकता है। डायबिटीज डर्मोपैथी के रोगियों में डायबिटीज का नियंत्रण अन्य जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकता है।

अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं

- डायबिटीज के मरीजों में बुलोसिस डायबिटिकोरम भी एक समस्या है, जहां त्वचा में फफोले विकसित होते हैं।

- टाइप 1 डायबिटीज वाले कई मरीज त्वचा की कठोरता का विकास करते हैं जिसे डायबिटिक चीयरोपैथी के नाम से जाना जाता है।

- नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों के सामने की त्वचा में पीले, मोमी धब्बे दिखाई देते हैं।

- डायबिटीज रोगी, खासकर मोटापे के कारण, त्वचा की सिलवटों का कालापन और गाढ़ा हो जाना, इंसुलिन प्रतिरोध के कारण हो सकता है। इस स्थिति को एसेंथोसिस निग्रिकंस कहा जाता है। इसके अलावा, डायबिटीज के रोगियों को विशेष रूप से प्राइवेट पार्ट के आसपास फंगल इंफेक्शन विकसित होने का खतरा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बन लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्व निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा का सुखामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ होगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेंगे। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आपसदारी ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानियां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा होगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में आपसदारी ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम को कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलना होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2681

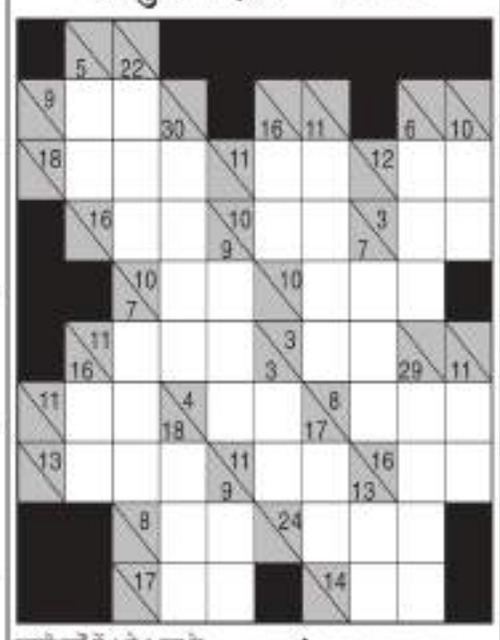

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ इकाई के आगे वर्ग की संख्या से मिल जानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो -2680 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

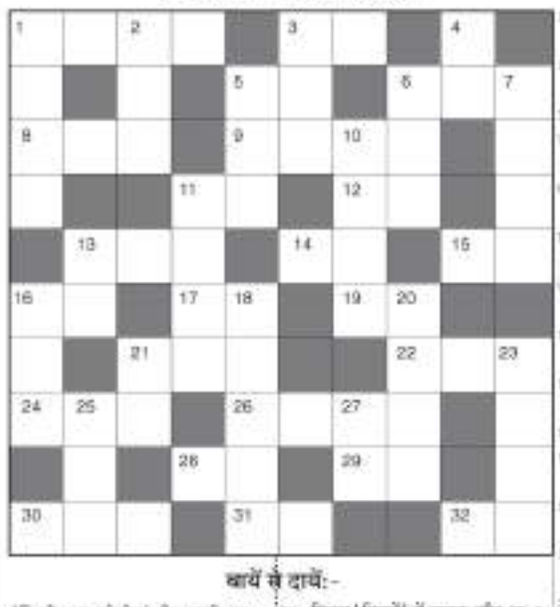

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2681

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, पूनम, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, तारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. बैबी आफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
८. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
९. जतिन ग्रेवाल, राज पाठक, नेहा की 'छोड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-३
१२. सनी, शब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'खालिद' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, ममता की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली अनिलकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'सपना मेरे यार' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तबला' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'दुनिया केवल न' गीत वाले बिमी केवेनिल, इरफान, श्रेया की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर चीरी सनी यहीं' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'यादें हैं यादें' गीत वाली ऋषिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल को तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'मक्खन का मैं घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-३
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधाजी का श्याम अमृत' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आंखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिलो ये मिलो' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती है नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'सोना ये जो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-३
७. 'बैठी कली बैठी भली' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, रीना की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'सिलका सिलका जब जब' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरुद्दीनशाह, रेवीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली जगदीप खान, विधिकगोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2680

सुडोकु -2681

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखना है।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकु -2680 का हल

शब्द पहेली - 2681

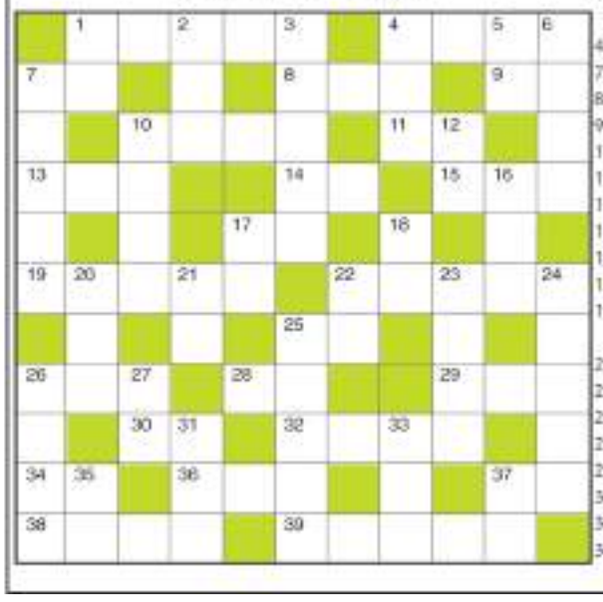

बाएँ से दाएँ

1. राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4. उड़ाला, बचपन-4
7. भोजन, खाद्य पदार्थ-2
8. प्रहरी, रक्षा करने वाला-3
9. लपशिक पदार्थ-2
10. कामदेव, चंद्रमा-4
11. नाड़ी, नस-2
13. जबरन, जबरदस्ती-3
14. वायदा, वचन-2
15. भवन, आलय-3
17. आर्ट, हुनर-2
19. शयनगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22. जोड़ना/बोना-5
25. परिणाम-2
26. अंजन, नेत्रांजन-3
28. सांझ, संध्या-2
29. अधीन-3
30. निश्चित-2
32. विद्वान, सत्यनिष्ठ-4
34. मेहमान, मेजबान-2
36. दाम, मूल्य-3
37. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38. मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39. अश्रु, आंसू-5

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ण, कनक-2
2. गुप्त कला-3
3. विधान-3,2
4. राशिचक्र की एक राशि-3
5. आंशिक भीगा हुआ-2
6. सामंजस्य-4
7. मायाचा, पंजारा-5
10. पुलाव, पॉलिश-4
12. दुःख, कष्ट-2
16. यज्ञ, होम-3
17. कम्पन, भ्रम-2
18. उम्मीद, आस-2
20. तुरंत-3
21. प्याला-2
22. हृदय, हार्ट-2
23. निकृष्ट-4
24. फलवान, दमदार-5
25. स्वदेशवासी-5
26. आलसी, निठल्ला-4
27. बुरी आदत-2
31. भरोसा, विश्वास-3
33. आंचल, पल्लू-2
35. अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37. समय, वक्त-2

शब्द पहेली -2680 का हल

मुंबई इंडियंस से बर्खास्त लेकिन टी20 विश्व कप 2024 में कप्तान बनेंगे रोहित शर्मा !

मुंबई। मुंबई इंडियंस की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाए जाने के बाद से ही सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस मुंबई इंडियंस प्रबंधन पर गुस्सा निकालते हुए दिख रहे हैं। रोहित की जगह पर हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया गया है जोकि गुजरात टाइटंस को लगातार दो बार आईपीएल फाइनल में पहुंचा चुके हैं। हार्दिक के मुंबई इंडियंस में वापस आने पर अब रोहित की नजरें टी20 विश्व कप पर टिक गई हैं। रिपोर्ट की माने तो मुंबई इंडियंस की कप्तानी जाने के बाद रोहित शर्मा का आगामी टी20 विश्व कप के लिए दावा मजबूत हो गया है। वह यहां बतौर कप्तान आखिरी बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करना चाहेंगे। टी20 विश्व कप 2024 अगले साल जून में वेस्ट इंडीज और यूएसए में होना है। रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा अभी भी सभी प्रारूपों में भारत के कप्तान बने हुए हैं। वनडे विश्व कप 2023 में प्रभावशाली ढंग से अपने नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करते हुए, रोहित ने सबको प्रभावित किया था। टी20 में उनकी कप्तानी के आंकड़े भी सबके सामने हैं। इसी बीच खबर है कि बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि रोहित की कप्तानी की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है, और वह टी20 विश्व कप में भारत का नेतृत्व करने के लिए पसंदीदा विकल्प बने रहेंगे। जब हार्दिक पंड्या के कप्तानी संभालने की संभावना के बारे में सवाल किया गया, तो अधिकारी ने सभी प्रारूपों में रोहित की वर्तमान कप्तानी पर जोर देते हुए ऐसी धारणाओं को खारिज कर दिया।

बांग्लादेश ने जीता अंडर 19 एशिया कप, बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर ने तारीफ में किया ट्विट

दुबई । बांग्लादेश ने दुबई में आयोजित अंडर 19 एशिया कप के फाइनल मुकाबले में यूएई को 195 रनों से हराकर पहली बार खिताब जीत लिया है। बांग्लादेश टीम के बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर थे जिन्होंने अपनी टीम की जीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की। फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश ने आशिकुर रहमान शिबली के 149 गेंदों पर 129 रनों की बदौलत 282 रन बनाए थे। जवाब में यूएई की टीम 87 रन पर ही ऑल आउट हो गई थी। इससे पहले बांग्लादेश ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को 4 विकेट से हरा दिया था। बांग्लादेश की बात करें तो उनकी शुरुआत पहले खेलते हुए खराब रही थी। जीशान आलम 7 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन इसके बाद आशिकुर रहमान शिबली ने चौधरी मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। चौधरी ने 71 गेंदों पर 60 रन बनाए जबकि इसके बाद आए अरिफुल इस्लाम ने 40 गेंदों पर 50 रन बनाए। शिबली ने 149 गेंदों पर 12 चौके और एक छक्के की मदद से 129 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति दी। अंत में कप्तान रहमान ने 11 गेंदों पर 21 रन बनाकर स्कोर 282 तक पहुंचा दिया। यूएई की ओर से अयमान अहमद ने 10 ओवर में 52 रन देकर 4 विकेट लीं। जबकि ओमिद रहमान ने 10 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। हार्दिक ने 50 रन देकर 1 तो ध्रुव पराशर ने 30 रन देकर 1 विकेट ली।

3 सालों में भारत के लिए डैब्यू करने वाले 21वें प्लेयर बने Sai Sudarshan

जोहानिसबर्ग। साई सुदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग के मैदान पर पहले वनडे में डैब्यू करने के साथ ही बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम पहले खेलते हुए अर्शदीप के 5 तो आवेश के 4 विकेट के कारण 116 रन पर लुढ़क गई थी। जवाब में साई सुदर्शन और श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाकर टीम इंडिया को 8 विकेट से जीत दिला दी। सुदर्शन टीम इंडिया के लिए 2021 के बाद से वनडे में डैब्यू करने वाले 21वें प्लेयर बन गए हैं। 2021 में आखिरी बार भारत के लिए क्रुणाल पंड्या ने वनडे में डेब्यू किया था। उसके बाद से प्रसिद्ध कृष्णा, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, राहुल चाहर, कृष्णप्पा गौतम, नितीश राणा, चेतन सकारिया, संजू सैमसन, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा, आवेश खान, ऋतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, कुलदीप सेन, मुकेश कुमार, तिलक वर्मा, साई सुदर्शन।

2025 में नए फीफा क्लब विश्व कप की मेजबानी करेगा अमेरिका

जिनेवा। फीफा ने संशोधित फीफा क्लब विश्व कप के कार्यक्रम और विस्तृत जानकारी की घोषणा की, जिसका पहला संस्करण 2025 में संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा। फीफा परिषद ने 2023 फीफा क्लब विश्व कप सेमीफाइनल से पहले सऊदी अरब के जेद्दा में रविवार को बैठक की, जिसमें नए 32-टीम आयोजन के कई प्रमुख सिद्धांत बनाए गए, जो 15 जून से 13 जुलाई, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। वर्तमान वार्षिक क्लब विश्व कप प्रारूप के विपरीत, नई संरचना में टूर्नामेंट हर चार साल में केवल एक बार होता है। क्लब नई मानक रैंकिंग के साथ टूर्नामेंट के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, जो हमेशा की तरह जीत के लिए तीन अंक और ड्रॉ के लिए एक अंक देता है, साथ ही यूरोप को छोड़कर पांच संघों की महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के प्रत्येक चरण में प्रगति के लिए तीन अंक देता है। यूरोपीय क्लबों की कार्यप्रणाली अधिक जटिल है, जो यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में जीत के लिए दो अंक और योग्यता के लिए चार अंक देते हैं। फीफा ने एक बयान में कहा, हाल के चार सत्रों में खेल मानदंडों के आधार पर उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, परिसंघ के प्रासंगिक प्रीमियर क्लब प्रतियोगिता के

समूह चरण से शुरू करके, और संबंधित टूर्नामेंट में प्रत्येक खेल के परिणाम को प्रोत्साहित करने के लिए, निम्नलिखित पद्धति नई मानक रैंकिंग को मंजूरी दे दी गई। 2025 के टूर्नामेंट में यूरोप से 12 टीमें, दक्षिण अमेरिका से छह, एशिया, अफ्रीका और उत्तरी और मध्य अमेरिका से चार-चार, ओशिनिया से एक और मेजबान देश से एक अतिरिक्त टीम शामिल होगी। टूर्नामेंट का समूह चरण एकल-गेम राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलने वाले प्रति समूह चार टीमों के आठ समूहों से बना है, जिसमें प्रति समूह शीर्ष दो टीमें 16 के दौर में आगे बढ़ती हैं। एक सीधा एकल-मैच नॉकआउट चरण शुरू होता है 16वें राउंड से फ़ाइनल तक, और कोई तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ़ आयोजित नहीं किया जाएगा। संशोधित क्लब विश्व कप के अलावा, फीफा ने एक नई वार्षिक वैश्विक क्लब प्रतियोगिता के गठन की भी घोषणा की, जिसे इंटरकांटिनेंटल कप के नाम से जाना जाएगा।

वर्तमान क्लब विश्व कप प्रारूप की संरचना के समान, इंटरकांटिनेंटल कप में प्रत्येक परिसंघ के महाद्वीपीय खिताब विजेता एक-दूसरे के खिलाफ होंगे। यूईएफए चैंपियंस लीग विजेताओं को अन्य संघों के क्लबों के बीच एक अंतरमहाद्वीपीय प्ले-ऑफ के विजेताओं का सामना करने के लिए फाइनल में बाई दी जाएगी। यह भी घोषणा की गई कि चिली 2025 फीफा अंडर-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा, और पोलैंड 2026 फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप का आयोजन करेगा।

बीबीएल में खेलने के लिए लांस मॉरिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से किया गया रिलीज

मेलबर्न। पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए लांस मॉरिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। मॉरिस के पर्थ में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने को लेकर उत्साह था, लेकिन मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के फॉर्म में वापसी करने पर उन्हें मौका नहीं मिला। दूसरे टेस्ट के लिए स्कॉट बोलैंड को रिजर्व में रखा गया है। मॉरिस को बीबीएल में वापस भेजा जाएगा वह 20 दिसंबर को ऑप्टस स्टेडियम में होबार्ट हरिकेंस के साथ पर्थ स्कॉर्चर्स के मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बोलैंड मेलबर्न स्टार्स के लिए अनुपलब्ध हैं क्योंकि वह दूसरे टेस्ट के लिए पहले गेंदबाजी रिजर्व के रूप में स्टैंडबाय पर हैं।राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, लांस को मेलबर्न मैच के लिए रिलीज कर दिया गया है, लेकिन वह टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार रहेंगे, क्योंकि मौका मिलने

पर वह गर्मियों के लिए हमारी योजनाओं में मजबूती से शामिल रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और बीबीएल क्लबों के बीच पर्दे के पीछे कुछ धक्का-मुक्की हुई है। सीजन के पहले दो मैचों के लिए प्रधान मंत्री एकादश टीम में चार खिलाड़ियों को खोने से ब्रिस्बेन हीट बहुत निराश थी, यहां तक कि माइकल नेसर को स्टार्स के खिलाफ हीट के बीबीएल ओपनर में खेलने के लिए पीएम XI से रिलीज कर दिया गया था। कैमरून ग्रीन के पास बीबीएल अनुबंध नहीं है और वह 12वें खिलाड़ी के रूप में टीम में बने रहेंगे, जबकि मौजूदा ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए अपनी जगह बरकरार रखी है, जहां उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। इस बीच, विक्टोरिया ने दूसरे टेस्ट से पहले मेलबर्न के जंक्शन ओवल में पाकिस्तान के खिलाफ दो दिवसीय टूर मैच में खेलने के लिए मार्कस हैरिस, पीटर हैंड्सकॉम्ब और विल पुकोवस्की जैसे तीन टेस्ट खिलाड़ियों को नामित किया है। विक्टोरिया इलेवन में वे खिलाड़ी शामिल होंगे जिनके पास बीबीएल सौदे नहीं हैं, जिनमें वे तीन भी शामिल हैं। मेलबर्न टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है- डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड, कैमरून ग्रीन, स्कॉट बोलैंड।

हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष और महिला टीम बेल्जियम से हारी

वालेंसिया। भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीम को पांच देशों के टूर्नामेंट में बेल्जियम से हार का सामना करना पड़ा है। महिला टीम को बेल्जियम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर एकमात्र गोल वैष्णवी विठ्ठल फाल्के ने 56वें मिनट में किया। वहीं बेल्जियम ने एम्बे बैलेन्घिएन ने 22वें और लुईस वर्साविल ने 37वें मिनट के गोल दाग कर मुकाबला जीत लिया। भारतीय महिला हॉकी टीम का अगला मुकाबला 19 दिसंबर को जर्मनी से होगा। वहीं पुरुष टीम को भी अपने दूसरे मैच में बेल्जियम से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से

अभिषेक और जुगराज सिंह गोल किए। पहले क्वार्टर में बेल्जियम के सेड्रिक चार्लियर ने पहले मिनट, एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 10 वें मिनट और थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 13 मिनट में गोल किए। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 16वें मिनट में टॉम बून ने 26 वें मिनट में तथा चौथे क्वार्टर में टॉम बून ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर दिया। इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 53वें मिनट में गोल दाग कर स्कोर 2-7 कर दिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 19 दिसंबर को जर्मनी से मुकाबला करेगी।

मैं बिरयानी के कारण बदनाम हूं- मोहम्मद शमी ने अपने फिटनेस राज खोले

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हाल ही में समाप्त हुए क्रिकेट विश्व कप 2023 में शानदार फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। पहले तीन मैचों से बाहर रहने के बावजूद शमी ने पूरी प्रतियोगिता में 24 विकेट लिए जिसमें 2 बार 5 विकेट हाल भी था। हाल ही में एक बातचीत में शमी ने

सख्त आहार और गहन कसरत दिनचर्या सहित अपनी फिटनेस व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस दौरान बिरयानी प्रेमी होने की बात को भी सिरे से नकार दिया। शमी ने कहा कि मैं एक समय का भोजन लेता हूं, खासकर मांसाहारी। बिरयानी के लिए मैं वैसे ही बदनाम हूं (मैं बिरयानी के कारण बदनाम हूं), लेकिन पहले बिना किसी सख्त दिनचर्या के, मैंने इसका आनंद लिया। ट्रेनिंग के दौरान मैं इसका कभी कभी सेवन करता रहता था। हालांकि चोट लगने के बाद मैंने अपने फिटनेस स्तर में महत्वपूर्ण बदलाव किए। मैंने फूड और कसरत के लिए योजना बनाई। अब, मैं अधिक सावधान हूं और मेरी एक निश्चित दिनचर्या है।

शमी ने अपने वर्कआउट रूटीन के बारे में भी बात की साथ ही अपनी प्रभावशाली ताकत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कई लोग मुझसे ज्यादा वजन उठाते हैं। मैं इसे सोशल मीडिया पर साझा नहीं करता क्योंकि मुझे इसे ऑनलाइन डालने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसीलिए लोग सोच सकते हैं कि मैं ऐसा नहीं करता। मैं 150 किलोग्राम का वजन बेंच-प्रेस करता हूं और लैग प्रेस में मैं 750 किलोग्राम का वजन उठा सकता हूं।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला चैंपियन बना हरियाणा, अनुराग ठाकुर ने कहा- केआईपीजी मानवीय जुनून और भावना का उत्सव

नई दिल्ली। मानवीय भावना और समावेशिता के एक सप्ताह तक चले जश्न के बाद पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स का रविवार शाम समापन हो गया। जिन खेलों में 173 स्वर्ण पदक थे, उनमें हरियाणा ने 40 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य पदक सहित कुल 105 पदकों के साथ शीर्ष सम्मान हासिल किया। वहीं, 25 स्वर्ण, 23 रजत और 14 कांस्य सहित कुल 62 पदकों के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा। तमिलनाडु 20 स्वर्ण, 8 रजत और 14 कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। बिना हाथ वाली तीरंदाज शीतल देवी, डिस्कस थ्रोअर योगेश कथुनिया, टेबल टेनिस स्टार भावना पटेल, पारुल परमार, निशाद कुमार जैसे कई नामी एथलीटों के अलावा, उभरते सितारों ने भी कुछ दिल छू लेने वाले प्रदर्शन किए, जिन्होंने पोडियम पर पहुंचने के लिए शारीरिक सीमाओं को पार किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एथलीटों की

सराहना करते हुए, युवा मामले और खेल तथा सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, इन स्पॉटलाइट्स के तहत, हम न केवल पदकों का सम्मान करते हैं, बल्कि लचीली आत्माओं और अनकही कहानियों का भी सम्मान करते हैं जिन्होंने हमें प्रभावित किया है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 हमारे खेल इतिहास में एक ऐतिहासिक अध्याय है, जहां मात्र भागीदारी जीत को ग्रहण लगाती है। इन बीते दिनों में अटूट मानवीय उत्साह, नए मील के पत्थर स्थापित करने, प्रतिभाओं के उभरने, रिकॉर्ड गिरने और पूर्वाग्रहों के टूटने के क्षण अंकित हैं। यह नया भारत है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। तमिलनाडु के राजेश टी, हरियाणा के संदीप डांगी, महाराष्ट्र की तुलिका जाधाओ, असम की अस्मिता ये सभी नाम उनके अविश्वसनीय धैर्य और दृढ़ संकल्प के लिए जाने जाते हैं। खेलों में हरियाणा के प्रणव सूरमा द्वारा एशियाई रिकॉर्ड में सुधार भी देखा गया, जिन्होंने क्लब थ्रो स्पर्धा में 33.54 मीटर के प्रयास के साथ अपने एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रदर्शन में 30.01 का सुधार किया। उन्होंने धरमबीर के 31.09 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड में सुधार किया। मैरी कॉम, हरभजन सिंह, अंजू बॉबी जॉर्ज, अंजुम मौदगिल, मनु भाकर, वीरेन रस्किन्हा, अजय जडेजा जैसे खेल सुपरस्टारों ने पैरा एथलीटों के प्रयासों का सम्मान करने के लिए विजय समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और युवा मामले और खेल मंत्रालय के अपने प्रमुख खेलो इंडिया कार्यक्रमों में पैरा गेम्स शुरू करने के लिए भारत सरकार की सराहना भी की।

वनडे में विकेट न मिलने से दबाव में था, इस दिग्गज को दूंगा फिफर का श्रेय : अर्शदीप सिंह

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों के श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में 5 विकेट झटक कर भारत की जीत की नींव रखने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह करियर के पहले 3 मैचों में विकेट नहीं लेने के कारण दबाव में थे। 'मैन ऑफ द मैच' अर्शदीप से रविवार को 37 रन देकर 5 विकेट झटके जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम महज 116 रन पर आउट हो गई। उन्होंने अपने पहले ओवर में दो विकेट चटकाए। उन्होंने पहले पावरप्ले के अंदर 4 विकेट लिए। अर्शदीप ने भारतीय पारी के बाद प्रसारकों से कहा कि मैं थोड़ा दबाव में था क्योंकि मैंने पहले कभी वनडे में कोई विकेट नहीं लिया था। 5 विकेट लेकर खुश हूं। मैच की शुरुआत में पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। बोल्ड करने या पगबाधा करने की हमारी योजना सफल रही। उन्होंने 'मैन ऑफ द मैच' पुरस्कार लेते समय कप्तान लोकेश राहुल का शुक्रिया किया। अर्शदीप ने कहा कि मेरा आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया हुआ था। भगवान और टीम प्रबंधन का शुक्रिया। यह सामान्य मैदानों से थोड़ा अलग है क्योंकि मेरी सांसें फूल रही थीं। मैं केएल राहुल भाई को धन्यवाद दूंगा क्योंकि उन्होंने कहा था कि तुम्हें वापसी पर 5 विकेट हासिल करने

होंगे। मुझे लगता है कि यह इस उस पल का लुत्फ उठाने के बारे में है।पंजाब के बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने टी20 श्रृंखला में तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर खेलने के बाद नई गेंद से गेंदबाजी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि व्यक्तिगत रूप से यह अच्छा लगता है, मैं अपनी भूमिका का आनंद ले रहा हूं। हमारी टीम का मुख्य उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में ढलना है। चाहे मैं गेंदबाजी की शुरुआत करूं या पहली बदलाव पर गेंदबाजी करनी पड़े, मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करके खुश हूं। यहां गर्मी भी काफी थी। मैं एक साल बाद 50 ओवर का मैच खेल रहा था। लेकिन इसका फायदा मिला और पांच विकेट लेने के बाद मैं काफी तरोताजा महसूस कर रहा हूं।

बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स ने बंगाल विजार्ड्स को हराकर जीता टेनिस प्रीमियर लीग 5 का खिताब

पुणे। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स न बंगाल विजार्ड्स को हराकर क्लियर द्वारा संचालित टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 5 का खिताब जीत लिया है। दिन की शुरुआत सेमीफाइनल मुकाबलों से हुई। दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए और फिर खिताबी मुकाबला खेला गया, जिसमें बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स ने बाजी मारी।

दिन के पहले सेमीफाइनल में बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स और दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड आमने-सामने थे। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स की अरीना रोडियोनोवा ने दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड की सहजा यमलापल्ली को महिला एकल मुकाबले में 11-9

से हराया। इसके बाद पुरुष एकल वर्ग का मैच हुआ, जिसमें बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के रामकुमार रामनाथन ने दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड के डेनिस नोवाक को 12-8 से हराकर अपनी टीम को मजबूती प्रदान की। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के अरीना रोडियोनोवा और विष्णु वर्धन ने इसके बाद मिश्रित युगल वर्ग के मुकाबले में दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड के सहजा यमलापल्ली और जीवन नेदुनचेझियान को 11-9 से हराया। मैच के अंतिम पुरुष युगल वर्ग मैच में बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के रामकुमार रामनाथन और विष्णु वर्धन ने दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड के जीवन नेदुनचेझियान और डेनिस नोवाक क सामना किया लेकिन वे यह मैच 7-9 से हार गए। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स ने 41 अंक अर्जित किए और फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के रामकुमार रामनाथन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।दूसरे सेमीफाइनल में बंगाल विजार्ड्स ने पंजाब पैट्रियट्स को हराया। बंगाल विजार्ड्स की मारिया टिमोफीवा ने पंजाब पैट्रियट्स की कोनी पेरिन को 12-8 से हराया। पुरुष एकल वर्ग में, बंगाल विजार्ड्स के श्रीराम बालाजी ने पंजाब पैट्रियट्स के दिग्विजय प्रताप सिंह को 13-7 से हराया। इसके बाद मिश्रित युगल वर्ग का मैच 10-10 पर समाप्त हुआ। बंगाल विजार्ड्स की मारिया टिमोफीवा और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने पंजाब पैट्रियट्स के कोनी पेरिन और अर्जुन खाडे़ के साथ ड्रा खेला।

भारत का दमदार ऑलराउंडर प्रदर्शन, द. अफ्रीका के खिलाफ 8 विकेट से जीता पहला वनडे

जोहान्सबर्ग । अर्शदीप सिंह और आवेश खान की शानदार गेंदबाजी के बाद साई सुदर्शन और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने जोहान्सबर्ग के न्यू वांडरर्स स्टेडियम में पहले वनडे में 8 विकेट से जीत दर्ज कर ली है। इसी के साथ ही भारत ने सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सधी हुई शुरुआत की और 23 रन पर पहला विकेट रुतुराज गायकवाड के रूप में गंवाया। गायकवाड़ पांच रन बनाकर वियान मूल्डर की चौथे ओवर की चौथी गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। इसके बाद सुदर्शन और अय्यर के बीच 88 रन की साझेदारी हुई जिसने टीम की जीत की कहानी को पक्का कर दिया। अय्यर (45 गेंदों पर 52 रन, 6 चौके और एक छक्का) हालांकि 15.5 ओवर में अर्धशतक लगाकर फेहलुकवायो की गेंद पर मिलर के हाथों कैच आउट हो गए। इसके बाद सुदर्शन (43 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से नाबाद 55 रन) और तिलक वर्मा (1*) जीत दर्ज कर नाबाद वापस लौटे। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया जो गलत साबित हुआ। अर्शदीप सिंह (5/37) और आवेश खान (4/27) की तूफानी गेंदबाजी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 27.3 ओवर में 116 रन पर ढेर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही और अर्शदीप ने आते ही टीम को हिला दिया। टीम संभलती इससे पहले ही आवेश ने अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए जिससे द. अफ्रीका को संभलने का मौका नहीं मिला। टीम की तरफ से एंडिले फेहलुकवेओ टोनी डी जोरजी ने सबसे ज्यादा क्रमशः 33 और 28 रन बनाए। अर्शदीप ने पहले गेंदबाजी भारत को शानदार शुरुआत दिलाई और दूसरे ओवर में दो विकेट झटके। उन्होंने 1.4 ओवर में रीजा हेंड्रिक्स (0) और फिर 1.5 ओवर में रासी वैन डेर डुसेन (0) को पवेलियन भेजा। अर्शदीप ने तीसरा विकेट टोनी डी जोरजी का निकाला और उन्हें 7.5 ओवर में केएल राहुल के हाथों आउट करवाया। टोनी 22 गेंदों पर 2 चौकों और इतने ही छक्कों से 28 रन बनाकर पवेलियनल लौटे। हेनरिक क्लासेन (6) 9.6 ओवर में अर्शदीप की गेंद को पढ़ने में नाकाम रहे और बोल्ड हो गए। एडेन मार्करम (12) भी फेल साबित हुए और आवेश खान की गेंद 11वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ड हो गए। इसी ओवर की दूसरी गेंद पर आवेश ने वियान मूल्डर को शून्य पर एलबीडब्ल्यू किया। आवेश ने तीसरा और कुल सातवां झटका 12.6 ओवर में डेविड मिलर के रूप में द. अफ्रीका को दिया और उन्हें दो रन पर राहुल के हाथों कैच आउट करवाया। आवेश ने 18.1 ओवर में केशव महाराज को रुतुराज के हाथों कैच आउट करवकर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। केशव मात्र 4 रन बनाकर वापस लौट गए। अर्शदीप ने पारी में पांचवा विकेट झटकते हुए एंडिले फेहलुकवेओ को शिकार बनाया और उन्हें 25.1 ओवर में 33 रन पर एलबीडब्ल्यू किया। अंतिम विकेट कुलदीप यादव के नाम रहा जिन्होंने 27.3 ओवर में नांद्रे बर्गर (7) को बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम ने कहा, 'हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। प्रयुक्त विकेट, हम पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगे, दो स्पिनर खेल रहे हैं। यह एक शानदार दिन है, लोगों को सलाम।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 19 दिसंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

नवोदय विद्यालय के कई छात्र सड़क हादसे में हुए घायल

किशनगंज। जवाहर नवोदय विद्यालय, मोतीहारा की 17 बच्चो की टीम एनसीसी कैंप बरौनी प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए जाने के क्रम में बेलवा में सोमवार को प्रातः उनकी गाड़ी का दुर्घटना होने की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित संज्ञान लेकर घायल 13 बच्चो को तुरंत सदर अस्पताल किशनगंज में इलाज प्रारंभ कराया गया। सदर अस्पताल में 13 घायल बच्चो की प्रारंभिक चिकित्सा के दौरान तीन बच्चे को गहन चिकित्सा की आवश्यक पर उन्हें निजी चिकित्सालय में भेजकर चिकित्सा प्रारंभ करा दी गई है। तीन बच्चो में एक के दाहिने पैर में गंभीर चोट और दो बच्चो के माथे में चोट आई है। सभी बच्चे अभी खतरे की स्थिति से बाहर है और चिकित्सकीय लाभ ले रहें हैं। जिला प्रशासन किशनगंज के द्वारा दुर्घटना पर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए बच्चो की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वही एसडीएम लतीफुर रहमान अंसारी सदर अस्पताल पहुंच कर बच्चों का हाल चाल जाना। उन्होंने बताया कि उपाधीक्षक, सदर अस्पताल के द्वारा चिकित्सा का अनुश्रवण किया जा रहा है। जिला प्रशासन जवाहर नवोदय विद्यालय प्रबंधन के समन्वय से बच्चो को बेहतर चिकित्सा हेतु प्रयासरत है। जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने बच्चो के बेहतर चिकित्सा हेतु संबंधित को निर्देश दिए है। प्रशिक्षण में जाने वाले में 09 लड़के और 8 लड़किया सम्मिलित थी।

ठंड का प्रकोप बढ़ा, अंबिकापुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा न्युनतम तापमान

रायपुर। राजधानी सहित पूरे छत्तीसगढ़ में ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। अंबिकापुर सहित उत्तरी छत्तीसगढ़ इन दिनों सर्वाधिक ठंड की चपेट में है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। वहीं, गिरावट का यह दौर 21 दिसंबर तक जारी रहेगा, जबकि इसके बाद अगले पांच दिनों तक तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने के आसार नहीं हैं। वहीं, अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने के आसार हैं। इसी बीच रविवार को राजधानी सहित प्रदेशभर में मौसम साफ रहा और प्रदेश में सर्वाधिक तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस तिल्दा और न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में 20 दिसंबर को होगा मतदान

जगदलपुर। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में 20 दिसंबर को मतदान होना है, इसके लिए नामांकन की प्रकिया पूरी कर ली गई है। संघ अध्यक्ष के लिए अरुण कुमार दास, सपन कुमार देवांगन और राकेश दास ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए तीन तो कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए दो नामांकन दाखिल हुए हैं जबकि ग्रंथपाल, क्रीड़ा सचिव, सहसचिव व कार्यकारिणी सदस्य के लिए भी निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो गयी है।

खाप पंचायतों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का किया स्वागत

अम्बाला में समाज की गणमान्य हस्तियों ने की उपराष्ट्रपति से भेंट

सीएम ने कहा

- अपने खांटी देसी अंदाज और हरयाणवी बोली में श्री धनखड़ ने कई रोचक किस्से सुनाए
- बोले ससुराल का वालों का गोत्र सुनकर कान खड़े हो जाते हैं
- एक दादी ने धनखड़ जी से कहा, "मोदी जी को मिलके पूछना चाहती हूं कि जाट के छोरे को मोदी जी ने उपराष्ट्रपति कैसे बनाया?"

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला, उपराष्ट्रपति अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर हरियाणा की एकदिवसीय यात्रा पर डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ प्रदेश पधारे थे। उनका विमान अम्बाला एयरबेस पर उतरा था जहाँ हरियाणा के गृहमंत्री श्री अनिल विज और जाट समाज की खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत सम्मान किया गया। वहां खाप प्रतिनिधियों के साथ उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ की मुलाकात करीब आधा घंटा चली। इस दौरान अपने खांटी देसी अंदाज और हरयाणवी बोली में श्री धनखड़ ने कई रोचक किस्से सुनाए और माहौल काफी खुशनुमा बना रहा। हरियाणा की चहल खाप के वाइस प्रेसिडेंट श्री झज्जाराम चहल ने अपना परिचय दिया तो धनखड़ साहब ने बड़े विनोदपूर्ण तरीके से कहा कि "एक वाइस प्रेसीडेंट दूसरे वाइस प्रेसीडेंट से मिल रहा है।" लंबे कद के नरवाल खाप के प्रधान भलेराम नरवाल से धनखड़ जी ने पूछा "थारी हाइट के है?" जवाब में भलेराम जी ने बताया 6 फीट 2 इंच। तो एक हाथी और चूहे के बच्चे की कहानी सुनाते हुए उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि हाइट तो मेरी भी 6 फीट है पर मेरी धर्मपत्नी के सामने झुकते-झुकते कम हो गयी है। इस पर जोरदार ठहाके लगे और डॉ. सुदेश धनखड़ भी स्वयं को मुस्कुराने से नहीं रोक सकीं। जींद जिले से आये श्री बलबीर सिंह चहल ने बताया कि उनके गांव का नाम बड़ौदा है, तो उपराष्ट्रपति ने डॉ सुदेश धनखड़ की ओर इशारा करते हुए कहा, "इनका गोत्र है बड़ौदा और ससुराल का वालों का गोत्र सुनकर कान खड़े हो जाते हैं।" नरवार खाप के श्री दलवीर नरवार ने बताया कि गोहाना से आये हैं तो उपराष्ट्रपति ने गोहाना की जलेबी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने इसका स्वाद खुद गोहाना जाकर लिया है। उपराष्ट्रपति ने पूर्व में अपनी हिसार यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वहाँ एक बुजुर्ग दादी ने उनसे कहा कि "एक बार मोदी से मिलवा दे।" श्री धनखड़ ने पूंछा, "मोदी जी से मिलकर आपको क्या बात करनी है?" तो दादी ने जवाब दिया, "मोदी जी को मिलके पूछना चाहती हूं कि जाट के छोरे को मोदी जी ने उपराष्ट्रपति कैसे बनाया।" इसी तरह उपराष्ट्रपति ने एक और पुराना रोचक किस्सा सुनाया कि - "आजादी के कुछ पहले, एक जाट जयपुर आ गया। वहां एक ढ़ाबा था। जाट बोला कि रोटी खानी है। ढ़ाबे वाला बोला कि 1 आने की 2 रोटी है।

राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की शुरूआत करते हुए।

अगर हिम्मत है तो बनारस जाकर चुनाव लड़ ले, पता चल जायेगाः सिंह

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वाराणसी में प्रस्तावित रैली को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चैलेंज किया है। सोमवार को पटना से दिल्ली रवाना होने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी में हिम्मत है तो वह वाराणसी जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चुनाव लड़ लें। हवाईअड्डे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएनडीआईए गठबंधन को चुनौती देते हुए कहा कि, "मैं आईएनडीआईए गठबंधन को खुला चुनौती देता हूं, किसी भी दल का कोई भी नेता वाराणसी में जाकर पीएम मोदी से चुनाव लड़ लें। चाहे नीतीश कुमार कोशिश कर ले या राजद के कोई नेता नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ ले।चुनौती में नीतीश कुमार को दे रहा हूं अगर हिम्मत है तो बनारस जाकर चुनाव लड़ ले। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की बैठक में विपक्षी दल अपने स्वार्थ के लिए सिर्फ जा रहे हैं। अपने गुनाह को छिपाने के लिए इस गठबंधन की बैठक में जा रहे हैं। इंडिया गठबंधन के नेता, किसी में हिम्मत नहीं है

'सुखदेव के हत्यारों को फांसी की सजा दिलवाये सरकार'

टीम एक्शन इंडिया/नवादा राष्ट्रीय करणी सेवा के नवादा जिला इकाई के कार्यकताओं ने सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी के हत्यारे को फांसी दिलाने की मांग को लेकर नवादा की सड़कों पर प्रतिरोध मार्च निकालते हुए प्रधानमंत्री से शीघ्र ही कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी के हत्यारों को केन्द्र एवं राजस्थान की सरकार द्वारा फांसी की सजा दिलवाने का हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए। ताकि भविष्य में इस तरह के सामाजिक नेता पर कोई हाथ उठाने से पहले हजार बार सोचे। उक्त बातें विरोधमार्च में शामिल राजपूत करणी सेना के पूर्व प्रदेश महासचिव विश्वजीत सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा। मार्च के बाद आयोजित सभा में विश्वजीत सिंह ने आगे कहा कि आज श्रत्रिय समाज के साथ सम्पूर्ण देश ऐसे मनबढे हत्यारों को फांसी पर देखना चाहता है। उससे पहले श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुखदेव सिंह गोगामेडी के निर्मम हत्या के विरुद्ध में नवादा शहर के बुंदेल खंड से प्रजातंत्र चैक तक आक्रोश मार्च का आयोजन कर सम्पूर्ण श्रत्रिय समाज द्वारा विरोध मार्च निकाला गया। विरोधमार्च का नेतृत्व श्री राजपूत करणी सेना के पूर्व प्रदेश महासचिव श्री विश्वजीत सिंह ने किया।

विरोध

- प्रजातंत्र चौक तक आक्रोश मार्च का आयोजन कर सम्पूर्ण श्रत्रिय समाज द्वारा विरोध मार्च निकाला गया।

अहमदाबाद तक बन रहा 4-लेन एक्सप्रेसवे 2024 तक पूरा होगा

टीम एक्शन इंडिया/गांधीनगर धोलेरा एसआईआर (स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन) में फेज-क (22.54 वर्ग किमी) के तहत विकास परियोजनाओं का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जिससे गुजरात में ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट के नए अवसर खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पिछले दिनों धोलेरा के अपने दौरे में एसआईआर के मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्ट्रैटिजिक लोकेशन और सेमीकंडक्टर व ग्रीन हाइड्रोजन जैसे उभरते सेक्टर में विशाल संभावनाओं पर प्रकाश डाला और भारत के सस्टेनेबल व टेक्नोलॉजी-ड्रिवन संचालित डेवलपमेंट में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का आगामी 10वां संस्करण जनवरी 2024 में आयोजित होने वाला है, जिसके लिए तैयारियां जोरों से चल रही हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हाल ही में ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट सिटी और इसके बुनियादी ढांचे के कार्यों की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए धोलेरा एसआईआर का दौरा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन "विकसित भारत @2047" को साकार करने की दिशा में धोलेरा एसआईआर को विश्व स्तरीय स्मार्ट औद्योगिक विकास मॉडल के रूप में स्थापित करने का काम तेजी से किया जा रहा है।

जानकारी

- वीजीजीएस 2024: भारत की प्रमुख प्लैटिनम-रेटेड इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी है धोलेरा

मेडा उपाध्यक्ष ने पकड़वाए रिश्वत लेने वाले दो कर्मचारी, निलंबित

मेरठ। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) के उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने सोमवार को रिश्वत लेने वाले दो कर्मचारियों को एंटी करप्शन विभाग को सौंप दिया। इसके बाद दोनों को निलंबित कर दिया। उपाध्यक्ष ने भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ अभियान तेज करने की बात कही है। लावड़ कस्बे के लोगों ने मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय से दो अनुचरों वेदप्रकाश और सुदेश पर अवैध निर्माण पर सीलिंग के नाम पर रिश्वत लेने की शिकायत की थी। ये कर्मचारी लोगों से चार से पांच हजार रुपए वसूल रहे थे। सोमवार को उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने एंटी करप्शन विभाग के इंस्पेक्टर दुर्गेश कुमार को बुलाकर दोनों कर्मचारियों को उन्हें सौंप दिया।

2 किशोरों की मौत, ट्रेन की चपेट में आने की आशंका

टीम एक्शन इंडिया/सूरत सूरत के सचिन क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के समीप दो किशोरों का शव बरामद हुआ है। रेलवे पुलिस सूरत सिविल हॉस्पिटल में दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवा रही है। दोनों किशोर रविवार शाम से लापता थे। घटना की जानकारी मिलने पर परिवारजनों पर आफत टूट पड़ी है। सचिन रेलवे ट्रैक के समीप रहने वाले परिवार के दो किशोर रविवार शाम से लापता थे। बताया गया कि दोनों रविवार शाम रेलवे ट्रैक के समीप खेल रहे थे। देर शाम तक दोनों बच्चों का पता नहीं चला तो परिजन उनकी खोज में निकले। बाद में उन्होंने रेलवे पुलिस से सम्पर्क किया तो देर रात दोनों बच्चों की मौत की खबर मिली। लेकिन सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा। मृतक किशोरों के परिचित के अनुसार उन्हें इसकी जानकारी मृतक बच्चों के पिता से मिली। माता-पिता को आशंका है कि बच्चे ट्रेन की चपेट में आए होंगे। मृतक बच्चों के नाम प्रिंस शर्मा (13) और लोकेश यादव (14) बताया गया है।

समारोह में 50 परम्पराओं के संतों समेत 13 अखाड़ों के प्रमुख आएंगे

24 जनवरी से 48 दिनों का उत्तर भारत की परम्परा के अनुसार होगा मंडल पूजन

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चम्पत राय ने सोमवार को ट्रस्ट के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के रामघाट पत्थर कार्यशाला स्थित संवाद केंद्र में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान के नवीन मन्दिर के लिए 16 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजन प्रारम्भ होगा। यह 22 जनवरी यानी प्राण प्रतिष्ठा तक चलेगा। उसके बाद 24 जनवरी से 48 दिनों का उत्तर भारत की परम्परा के अनुसार मंडल पूजन होगा। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी से आमजन रामलला के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जहां भगवान विराजमान हैं, वहां दर्शन पूजन बंद करने पर विचार चल रहा है।,ताकि भीतरी कार्य अतिशीघ्र पूरे हो सकें। उन्होंने बताया कि आगामी 15 जनवरी तक ट्रस्ट की ओर से की जा रहीं सभी तैयारियां पूरी हो जाएगीं। उन्होंने बताया कि समारोह में विभिन्न प्रदेशों के 150 परम्पराओं के साधु-संतों समेत 13 अखाड़े और छह दर्शन परम्परा के शंकराचार्य आदि शामिल होंगे। करीब चार हजार संतों को आमंत्रित किया गया है । इसके अलावा 2200 गृहस्थों को भी निमंत्रण दिया गया है। ट्रस्ट महासचिव राय ने कहा कि काशी विश्वनाथ, वैष्णोदेवी जैसे प्रमुख मंदिरों के प्रमुखों, धार्मिक व संवैधानिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा, केरल की अम्मा, योग गुरू बाबा रामदेव समेत सिने स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, निर्देशक मधुर भंडारकर समेत प्रमुख उद्योगपतियों में अनिल अंबानी, मुकेश अंबानी, रतन टाटा के पुत्र, प्रख्यात चित्रकार वासुदेव कामत, इसरो निदेशक नीलेश देसाई समेत तमाम विशिष्ट हस्तियां समारोह की साझी होंगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या के तीन से अधिक स्थानों पर अतिथियों के ठहरने के उचित प्रबंध किए गए हैं। इसके अलावा विभिन्न मठ-मंदिरों और गृहस्थ परिवारों की ओर से 600 कमरे उपलब्ध कराए गए हैं।